कोटद्वार, गुरूवार
26 जून 2025
वर्ष: 47
अंक: 60 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर आवाजाही शुरू, यात्रा चालू

उत्तरकाशी। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौ कैंची के निकट पहाड़ी से हुए भूस्खलन से अवरुद्ध हुए मार्ग को बुधवार को फिर से चालू कर दिया है। जानकीचट्टी से यात्रियों को यमुनोत्री के लिए धीरे–धीरे छोड़ा जा रहा है, जबकि यमुनोत्री से वापस आते समय यात्री वैकल्पिक मार्ग से होते हुए जानकी चट्टी पहुंचेंगे। भूस्खलन से बीते सोमवार 4 बजे शाम से बंद पड़े यमुनोत्री पैदल मार्ग को बुधवार 12 बजे बाद यात्रियों के लिए खोल दिया गया। भूस्खलन स्थान पर मालबा, पत्थर व मार्ग के ऊपर से लूज पत्थरों को हटा दिया गया है तथा मार्ग को सुरक्षित आवागमन के लिए तैयार किया गया है। जानकीचट्टी में यात्रियों की अधिक तादाद को देखते हुए जानकीचट्टी से यात्रियों को यमुनोत्री धाम के लिए धीरे–धीरे छोड़ा जा रहा है, जबकि यमुनोत्री से वापस आते समय वैकल्पिक मार्ग से होते हुए जानकी चट्टी पहुंचेंगे। सुरक्षा की दृष्टिगत पैदल यात्रा मार्ग पर अलग–अलग स्थान पर पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीमें, स्वास्थ्य विभाग और लोनिवि के वाचर तैनात किये गये हैं ताकि तीर्थयात्री निर्बाध एवं सुरक्षित रूप से यात्रा कर सकें। जानकीचट्टी से तीर्थयात्री अब नियंत्रित और क्रमबद्ध रूप में यमुनोत्री की ओर प्रस्थान कर रहे हैं तथा यमुनोत्री से वापसी के दौरान तीर्थ यात्री एक सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग के माध्यम से जानकीचट्टी पहुंचेंगे।

केबिन में फंसने से चालक की हुई मौत

हरिद्वार। हरिद्वार–नजीबाबाद हाईवे पर रसियाबड़ नहर पटरी के पास मंगलवार आधी रात में ट्रक और कंटेनर की टक्कर हो गई। इसमें कंटेनर का चालक केबिन में फंस गया। हादसे के बाद हाईवे पर दोनों ओर पांच किमी लम्बा जाम लग गया। पुलिस ने केबिन काटकर चालक को बाहर निकाला। तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। निर्माणाधीन फ्लाई ओवर का सर्विस रोड होने के कारण घटना स्थल काफी संकरा है। इसके चलते दोनों ओर वाहनों की भारी भीड़ जमा हो गई। इससे हाईवे पर गैंडीखाता से बाहर पीली तक करीब आठ किमी लम्बा जाम लग गया। दुर्घटना के बाद जाम खुलवाने को लेकर पुलिस के हाथ पैर फूल गए।

भाजपा को बड़ा झटका, गोपाल सिंह बिष्ट सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

अल्मोड़ा। पंचायत चुनावों की सरगर्मियों के बीच जागेश्वर विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मंगलवार को भनोली में आयोजित पूर्व सैनिक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सम्मान समारोह के दौरान भाजपा को तगड़ा झटका देते हुए वरिष्ठ नेता गोपाल सिंह बिष्ट ने अपने लगभग पांच सौ समर्थकों के साथ कांग्रेस का दामन थाम लिया। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने फूलमालाएं पहनाकर सभी का कांग्रेस परिवार में स्वागत किया और पार्टी की सदस्यता दिलाई। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार जनता को लगातार गुमराह कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और लूट–खसोट चरम पर है और सरकार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को टालने के प्रयासों में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में न तो पारदर्शिता है और न ही जवाबदेही।

आपातकाल लागू करना लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए भूकंप से कम नहीं था: उपराष्ट्रपति

देहरादून। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि, पचास वर्ष पहले, इसी दिन, विश्व का सबसे पुराना, सबसे बड़ा और अब सबसे जीवंत लोकतंत्र एक गंभीर संकट से गुजरा। यह संकट अप्रत्याशित था – जैसे कि लोकतंत्र को नष्ट कर देने वाला एक भूकंप। यह था आपातकाल का थोपना। वह रात अंधेरी थी, कैबिनेट को किनारे कर दिया गया था। उस समय की प्रधानमंत्री, जो उच्च न्यायालय के एक प्रतिकूल निर्णय का सामना कर रही थीं, ने पूरे राष्ट्र की उपेक्षा कर, व्यक्तिगत हित के लिए निर्णय लिया। राष्ट्रपति ने संवैधानिक मूल्यों को कुचलते हुए आपातकाल की घोषणा पर हस्ताक्षर कर दिए। इसके बाद जो 21–22 महीनों का कालखंड आया, वह लोकतंत्र के लिए अत्यंत अशांत और अकल्पनीय था। यह हमारे लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय काल था।

कुमाऊँविश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखण्ड में स्वर्ण जयंती समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ह्लएक लाख चालीस हजार लोगों को जेलों में डाल दिया गया। उन्हें न्याय प्रणाली तक कोई पहुँच नहीं मिली। वे अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा नहीं कर सके। नौ उच्च न्यायालयों ने साहस दिखाया और कहा – आपातकाल हो या न हो – मौलिक अधिकार स्थगित नहीं किए जा सकते। हर नागरिक के पास न्यायिक हस्तक्षेप के जरिए अपने अधिकारों को प्राप्त करने का अधिकार है। दुर्भाग्यवश, सवीच्च न्यायालय – देश की सवीच्च अदालत – धूमिल हो गई। उसने नौ उच्च न्यायालयों के निर्णयों को पलट दिया। उसने दो बातें तय की – आपातकाल की घोषणा कार्यपालिका का निर्णय है, यह न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं है। और यह भी कि आपातकाल की अवधि भी कार्यपालिका ही तय करेगी। साथ ही, नागरिकों के पास आपातकाल के दौरान कोई मौलिक अधिकार नहीं होंगे। यह जनता के लिए एक बड़ा झटका था। संविधान हत्या दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि, ह्लयुवाओं को इस पर चिंतन करना चाहिए क्योंकि जब तक वे इसके बारे में जानेंगे नहीं, समझेंगे नहीं। क्या हुआ था प्रेस के साथ? किन लोगों को जेल में डाला गया? वे बाद में इस देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बने। यही कारण है कि युवाओं को जागरूक बनाना जरूरी है, आप लोकतंत्र और शासन व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण भागीदार हैं। आप इस बात को भूल नहीं सकते और न ही इस अंधकारमय कालखंड से अनभिज्ञ रह सकते हैं। बहुत सोच–समझकर, आज की सरकार ने तय किया कि इस दिन को ह्यसंविधान हत्या दिवसह्ल के रूप में मनाया जाएगा। यह एक ऐसा उत्सव होगा जो सुनिश्चित करेगा कि ऐसा फिर कभी न हो। यह उन दोषियों की पहचान का भी अवसर

होगा जिन्होंने मानवीय अधिकारों, संविधान की आत्मा और भाव को कुचला। वे कौन थे? उन्होंने ऐसा क्यों किया? और सवीच्च न्यायालय में भी, मेरे मित्र सहमत होंगे, एक न्यायाधीश – एच.आर. खन्ना – ने असहमति जताई थी और अमेरिका के एक प्रमुख समाचार पत्र ने टिप्पणी की थी कि जब भारत में फिर से लोकतंत्र लौटेगा, तो एच.आर. खन्ना के लिए अवश्य एक स्मारक बनेगा जिन्होंने अपने मूल्यों से समझौता नहीं किया। परिसर आधारित शिक्षा की भूमिका पर जोर देते हुए धनखड़ ने कहा कि, ह्लशैक्षणिक संस्थान केवल डिग्रियाँ या प्रमाणपत्र प्राप्त करने के स्थान नहीं हैं। अन्यथा वर्चुअल लर्निंग और परिसर आधारित लर्निंग में अंतर क्यों होता? आप जानते हैं, आपके साथियों के साथ बिताया गया समय आपके सोचने के तरीके को परिभाषित करता है। ये स्थान वह परिवर्तन उत्पन्न करने के लिए हैं जिसकी आवश्यकता है, जो परिवर्तन आप चाहते हैं, जो राष्ट्र आप चाहते हैं। ये विचार और नवाचार के स्वाभाविक जैविक स्थल हैं। विचार आते हैं, लेकिन विचारों पर विचार होना भी जरूरी है। अगर कोई विचार असफलता के डर से आता है, तो आप उसमें नवाचार या प्रयोग नहीं करते। तब हमारी प्रगति रुक जाती है। ये वे स्थान हैं जहाँ दुनिया हमारे युवाओं से ईर्ष्या करती है – उनके पास न केवल अपना भविष्य गढ़ने का अवसर है, बल्कि भारत की नियति गढ़ने का भी। और इसलिए, कृपया आगे बढ़िए। एक कॉर्पोरेट उत्पाद की टैगलाइन है जिसे आप जानते होंगे पूर्व छात्रों और उनके योगदान के महत्त्व को रेखांकित करते हुए धनखड़ ने कहा, पिछले 50 वर्षों में आपके पास बड़ी संख्या में पूर्व छात्र हैं, किसी संस्थान के पूर्व छात्र उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण घटक होते हैं। आप सोशल मीडिया या गूगल पर देखिए – कई विकसित देशों के संस्थानों के पास 10 अरब डॉलर से अधिक का पूर्व छात्र फंड है। किसी के पास तो 50 अरब डॉलर से अधिक का भी है। यह कोई एक बार में नहीं आता, यह बूंद–बूंद से जमा होता है। मैं उदाहरण दूँ – यदि इस महान संस्थान के 1,00,000 पूर्व छात्र हर साल केवल 10,000 का योगदान करें, तो सालाना राशि 100 करोड़ रुपये होगी और सोचिए अगर यह हर साल होता रहे, तो आपको कहीं और देखने की आवश्यकता नहीं होगी। आप आत्मनिर्भर होंगे। यह आपको संतोष देगा। साथ ही, पूर्व छात्र अपने अल्मा मेटर से जुड़ सकेंगे। वे आपको मार्गदर्शन देंगे – वो आपको संभालेंगे। इसलिए मैं आग्रह करता हूँ कि देवभूमि से पूर्व छात्र संघ की शुरुआत हो। कार्यक्रम में उपस्थित राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कुमाऊँ विश्वविद्यालय की स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बीते पचास वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल की है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक ज्ञान की रोशनी पहुँचाने का भी कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड के युवाओं को नवाचार, अनुसंधान और नेतृत्व के लिए निरंतर प्रेरित करता रहा है। राज्यपाल ने कहा कि भारत एक युवा देश है और इसकी 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। इस जनसांख्यिकीय लाभ को तभी सार्थक बनाया जा सकता है जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगारपरक कौशल, उद्यमशीलता और सामाजिक चेतना से युक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय को स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वैश्विक क्षितिज की ओर अग्रसर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल शिक्षित करना नहीं, बल्कि युवाओं को प्रेरित, प्रशिक्षित और उत्तरदायी नागरिक के रूप में विकसित करना भी है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भूमिका राष्ट्र निर्माण में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। वे केवल ज्ञान नहीं देते, बल्कि व्यक्तित्व गढ़ते हैं, नेतृत्व को जन्म देते हैं और विचारों में संस्कारों का सिंचन करते हैं।

अनियंत्रित कार नहर में गिरी, एक नवजात समेत परिवार के चार सदस्यों की मौत

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में भारी बारिश के दौरान बुधवार सुबह एक अनियंत्रित कार के नहर में गिरने से एक नवजात समेत परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि यह हादसा बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे उस समय हुआ, जब एक परिवार के सदस्य चार दिन पहले हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में जन्मे बच्चे को लेकर कार से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका वाहन अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरा और पलट गया। मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब वह वाहन एक पुल के नीचे फंस गया, जिससे वाहन में पानी भर गया और 7 में से 4 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार दिन पहले जन्मा बच्चा और उसके पिता भी शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि हादसे का शिकार परिवार उधमसिंह नगर जिले के किच्छा थानाक्षेत्र के बरा गांव का रहने वाला है, और हल्द्वानी में बच्चे के जन्म के बाद घर लौट रहा था। पुलिस के मुताबिक कार रास्ते

में दमकल विभाग के पास अनियंत्रित होकर एक नहर में जा गिरी। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचीं तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

पुलिस के मुताबिक, हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जिनमें नवजात शिशु के अलावा उसके पिता राकेश (32), नानी कमला देवी (50) और बच्ची की ताई नीतू (36) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि नवजात की मां रमा (27) दुर्घटना में घायल हो गई है जबकि अन्य घायलों की पहचान नीतू के पति रमेश (39) और कार चालक श्यामलाल (40) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, घायलों को सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि शुरूआती जांच में दुर्घटना का कारण कार की तेज गति और चालक का वाहन पर से नियंत्रण खोना बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने अपने शोक संदेश में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 4 लोगों की मौत

नई दिल्ली ,दिल्ली के रिठाला में एक बहुमंजिला फैक्ट्री में भीषण आग लग गई. जिसके बाद पूरे इलाके में काले धुएं का गुबार छा गया. जिसपर करीब 15 घंटे के बाद भी पूरी तरह आग पर काबू नहीं पाया जा सका है. इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है. अभी भी दमकल विभाग के कर्मचारी आग बुझाने में लगे हुए हैं. फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है. बताया जा रहा है कि ये कैमिकल फैक्ट्री थी इसलिए आग इतनी भयानक लगी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया. आग ने कुछ ही समय में पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया. दरअसल, मिली जानकारी के अनुसार रिठाला इलाके में एक फैक्ट्री में मंगलवार शाम को करीब सवा सात बजे आग की सूचना मिली. आग ने पूरी इमारत को ही आगोश में ले लिया. सूचना के बाद मौके पर दमकल विभाग की कई गाड़ियां पहुंची. सूचना पर पहुंची दमकलकर्मियों ने आग बुझाने की कवायद शुरू कर दी. आग पर काबू पाने के लिए मौके पर दमकल को करीब 16 गाड़ियां पहुंची,

जम्मू–कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधि, सेना ने की गोलीबारी

जम्मू,जम्म–कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सुरक्षा बलों की मुस्तैदी से एक बार फिर बड़ा खतरा टल गया. सेना के जवानों ने एलओसी के पास अग्रिम इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद गोलीबारी की. जबकि सुरक्षा बलों ने मंगलवार को जम्मू–कश्मीर के पुंछ, सांबा और कठुआ जिलों में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर तलाशी ली. रिपोर्ट के अनुसार राजौरी के अग्रिम इलाके में मुस्तैद सुरक्षा बलों ने सुबह के समय घने पेड़ों की आड़ में संदिग्ध गतिविधि देखी. इसमें तीन से चार लोगों के शामिल होने का संदेह था. जवानों ने दो दर्जन से अधिक राउंड फायरिंग की और साथ ही तलाशी अभियान भी चलाया. इस दौरान ड्रोन भी तैनात किए. हालांकि, संदिग्ध लोगों का कोई सुराग नहीं मिला. अधिकारियों के अनुसार स्थानीय पुलिस, सीआरपीएफ और राष्ट्रीय राइफल्स के विशेष अभियान समूह ने भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सुबह करीब छह बजे पुंछ जिले के कई इलाकों

में खासकर सुरनकोट, मेंढर में सर्च ऑपरेशन चलाया. यह अभियान सुरनकोट के सारी, उस्तान, पठानखोर, लोहार मोहल्ला, चांदीमढ़, फागल, हरि टॉप और कागवाली, मेंढर के लिम्बा और उच्चद तथा कल्लर–गुरसाई में चलाया गया, लेकिन किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया. जम्मू–कश्मीर पुलिस ने सुरक्षा बलों की मदद से कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे कई इलाकों में भी तलाशी ली. इस बीच उधमपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आमोद नागपुरे ने मंगलवार को कश्मीर घाटी में 3 जुलाई से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए नियुक्त पुलिस अधिकारियों के लिए एक व्यापक ब्रीफिंग सत्र की अध्यक्षता की. इस सत्र के दौरान जिन प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई, उनमें जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सहित संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा उपायों को बढ़ाना, प्रभावी यातायात विनियमन और आपात स्थितियों के लिए आकस्मिक योजनाएं शामिल थी. उन्होंने कहा कि अधिकारियों को तीर्थयात्रियों को समय पर सहायता प्रदान करने और आपदा प्रबंधन टीमों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली,सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्वतंत्रता को एक मूल्यवान और अनमोल अधिकार बताते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह एक मुस्लिम व्यक्ति को 5 लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा दे, जिस पर उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था. उसे जमानत बांड भरने के बाद भी एक तकनीकी आधार पर रिहा नहीं किया गया था. बांड भरने के 28 बाद रिहाई संभव हुई थी.न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, 'भगवान जानता है कि ऐसे कितने लोग जेलों में सड़ रहे हैंज्' न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने तकनीकी बातों पर जोर देने वाले जेल अधिकारियों के आचरण की निंदा की, जो स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है. गाजियाबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को इसकी जांच करने और व्यक्ति की रिहाई में 28 दिनों की देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का आदेश दिया.

उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त महाधिवक्ता

गरिमा प्रसाद और उत्तर प्रदेश के महानिदेशक कारागार पीसी मीना वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालती कार्यवाही में शामिल हुए. गाजियाबाद जेल के जेल अधीक्षक पीठ के समक्ष शारीरिक रूप से उपस्थित थे. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि जब मामले और अपराधों का विवरण जमानत आदेश से स्पष्ट है, तो बेकार तकनीकी बातों और अप्रासंगिक त्रुटियों के आधार पर व्यक्तिगत स्वतंत्रता से इनकार नहीं किया जा सकता. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने राज्य के वकील को स्पष्ट कर दिया कि वह उनके द्वारा दिए गए इस तर्क को स्वीकार करने के लिए उत्सुक नहीं हैं कि कैदी को रिहा नहीं किया गया क्योंकि जमानत आदेश में एक विशेष प्रावधान का उल्लेख नहीं किया गया था.न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने स्वतंत्रता को एक मूल्यवान और अनमोल अधिकार बताते हुए कहा, अदालती आदेशों पर टिप्पणी करना और इस बहाने उन्हें लागू न करना तथा व्यक्ति को सलाखों के पीछे रखना कर्तव्य की गंभीर उपेक्षा होगी. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने मीना से पूछा, इस बात की क्या गारंटी है कि इस कारण से कई अन्य लोग कष्ट में नहीं हैं? आदेश इसी न्यायालय द्वारा दिया गया है. आदेश में सही धारा का उल्लेख है और धारा में कई उपधाराएं होंगी. क्या आपके अनुभव में यह कोई वैध आपत्ति है. अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए आप क्या करने का प्रस्ताव रखते हैं? मीना ने पीठ को आश्वासन दिया कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जेल अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के उपाय किए जाएंगे. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने याचिकाकर्ता की रिहाई में 28 दिनों की देरी को दुर्भाग्यपूर्ण और बेतुका बताया. पीठ ने कहा, 28 मई की सुबह से लेकर कल शाम तक, जब उसे रिहा किया गया, स्वतंत्रता से वंचित किए जाने के इस स्वीकृत तथ्य पर हम एक तदर्थ आंकड़े पर पहुंचेंगे, जो अंतिम होगा और हम उस राशि के अनुपालन के लिए इसे शुक्रवार को रखेंगे.याचिकाकर्ता की रिहाई में देरी की पृष्ठभूमि में, न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि स्थिति को सुधारने का एकमात्र तरीका तदर्थ मौद्रिक मुआवजे का आदेश देना है. राज्य सरकार को 5 लाख रुपये की राशि का भुगतान करने और 27 जून को अनुपालन रिपोर्ट देने का आदेश दिया. सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि जांच रिपोर्ट में अधिकारियों पर कोई जिम्मेदारी तय की जाती है, तो उनसे मुआवजा वसूला जाएगा. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने याचिकाकर्ता की रिहाई में देरी की निंदा करते हुए कहा, हमें नहीं पता कि इस आधार पर कितने लोग जेल में सड़ रहे हैं...जबकि उसे जमानत पर रिहा करने का वैध आदेश है और उसने एक महीने बाद जमानतें पेश की हैं...उसकी स्वतंत्रता की गारंटी देने का वैध आदेश है.

एक्सिओम–4 मिशन की सफल लॉन्चिंग पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभांशु शुक्ला को बधाई

नईदिल्ली, शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) ले जाने वाला एक्सिओम–4 मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च हो गया है। अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से यह मिशन स्पेस–एक्स के फाल्कन–9 रॉकेट की मदद से रवाना हुआ। भारत, अमेरिका, हंगरी और पोलैंड के कुल 4 अंतरिक्ष यात्री इस मिशन का हिस्सा हैं। ग्रुप कैप्टन शुक्ला को इस मिशन में पायलट की भूमिका मिली है। इस मिशन की लॉन्चिंग के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम को एक्स पोस्ट में शुभकामनाएं दी। एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम इस अंतरिक्ष मिशन की सफल लॉन्चिंग का स्वागत करते हैं, जिसमें भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने इसे भारत के लिए ऐतिहासिक बताया और कहा, भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन जाने वाले पहले भारतीय बनने की ओर बढ़ रहे हैं। यह मौका देश के लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि 4 दशक बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पोस्ट में शुक्ला की ऐतिहासिक भूमिका की सराहना करते हुए कहा, वह अपने साथ 1.4 अरब भारतीयों की इच्छाएं, सपने और उम्मीदें लेकर गए हैं।

यह मेरी नहीं, भारत की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत है

–एक्सिओम–4 मिशन लॉन्च के बाद शुभांशु शुक्ला का देश के लिए पहला संदेश

नईदिल्ली,शुभांशु शुक्ला एक्सिओम–4 मिशन के तहत 3 अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना हो गए हैं। यह मिशन आज दोपहर 12:01 बजे अमेरिका के कैनेडी स्पेस सेंटर से

फिर से अंतरिक्ष में हैं। इस समय हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। मेरे कंधे पर तिरंगा है, जो बता रहा है कि मैं अकेला नहीं हूं, बल्कि आप सब मेरे साथ हैं। उनका यह संदेश पूरे देश में गर्व और भावुकता से भरा हुआ पल बन गया। उन्होंने आगे कहा, यह मेरी अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन तक की यात्रा की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है।

सीएम धामी ने लोकतंत्र सेनानियो की मुद्दों के तत्परता से निस्तारण के लिए शासन स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए

मानसून सत्र में लोकतंत्र सेनानियों के कल्याण व हित में अधिनियम लाया जाएगा

देहरादून। सीएम धामी ने लोकतंत्र सेनानियों की मुद्दों के तत्परता से निस्तारण के लिए शासन स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि लोकतंत्र सेनानियों के कल्याण व हित में मानसून सत्र में अधिनियम लाने की तैयारी की जाए। मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि की प्रक्रिया सरल बनाने के निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियो को लोकतंत्र सेनानियों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के लिए कहा। सीएम ने संबंधित सचिव को लोकतंत्र सेनानियों को तत्काल प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है। सीएम धामी ने कहा कि हमारी सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों को प्रतिमाह मिलने वाली सम्मान निधि को बढ़ाने का फैसला लिया था, जिसे आने वाले समय में और बढ़ाया जाएगा। हमारी सरकार लोकतंत्र सेनानियों की प्रत्येक समस्या के समाधान हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। हम राष्ट्र के प्रति आपके अतुलनीय योगदान को जन–जन तक पहुंचाने हेतु प्रतिवर्ष लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपातकाल लगाये जाने के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित सविधान हत्या दिवस 2025 पर मुख्यमंत्री आवास में लोकतंत्र सेनानियों व उनके

परिवारजनों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री धामी ने आपातकाल में मीसा एवं डीआईआर बंदियों के साथ संवाद किया।

समस्त लोकतंत्र सेनानियों को नमन करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जिन्होंने आपातकाल के अंधकारमय कालखंड में भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया, उन्हें सम्मानित करना अत्यंत गौरव का अवसर है। लोकतंत्र सेनानियों ने जेलों की कालकोठरियों में रहकर भी लोकतंत्र के दीप को बुझने नहीं दिया।यह लोकतंत्र प्रहरियों के तप, त्याग और अटूट संकल्प का ही परिणाम है, जिसके कारण भारत के प्रत्येक नागरिक के मन में लोकतंत्र के प्रति एकनिष्ठ आस्था विद्यमान है।

आपातकाल संविधान की आत्मा को कुचलने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून 1975 का दिन हमेशा एक काले अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। 50 वर्ष पूर्व इसी दिन देश पर आपातकाल थोपा गया था और संविधान की आत्मा को कुचलने का प्रयास किया गया था। और यह सब एक व्यक्ति की हठधर्मिता और तानाशाही रवैए का परिणाम था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी को चुनावी भ्रष्टाचार का दोषी ठहराते हुए उनकी लोकसभा सदस्यता को निरस्त कर दिया गया था। सत्ता छिन जाने के भय से 25 जून की रात को भारत जैसे महान लोकतांत्रिक देश में आपातकाल की घोषणा करवा दी गई। भारतीय संसद का गला घोंट दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को बंधक बना लिया गया और न्यायपालिका की गरिमा तार–तार कर लाखों देशवासियों के मौलिक अधिकारों को रौंद दिया गया। आपातकाल के उन काले दिनों में सत्ता के नशे में चूर तत्कालीन सरकार ने सभी विपक्षी नेताओं, सैंकड़ों पत्रकारों सहित हर उस आवाज का निर्ममता से दमन किया जो लोकतंत्र की रक्षा के लिए उठ रही थी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल कर पूरे देश को एक खुली जेल बना दिया गया था।मीसा और डीआईआर जैसे काले कानून को थोपकर हज़ारों लोकतंत्र समर्थकों को जेलों में ठूंस दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकनायक जयप्रकाश नारायण, श्रद्धेय नानाजी देशमुख और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान नेताओं ने जेलों में रहते हुए भी लोकतंत्र के प्रति युवाओं में चेतना जाग्रत करने का कार्य किया। सत्ता के दमन का प्रतिकार करते हुए देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्र–छात्राओं ने तानाशाही के विरुद्ध सड़कों पर उतरकर लोकतंत्र के पक्ष में जनजागरण प्रारंभ कर दिया। दिल्ली, बनारस, इलाहाबाद, पटना, जयपुर, पुणे, बेंगलुरु जैसे कई शहरों के अनेकों शैक्षणिक संस्थानों से शुरू हुआ विरोध धीरे–धीरे राष्ट्रव्यापी जनक्रांति में बदल गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सहित अनेकों सामाजिक–सांस्कृतिक संगठनों ने भी अपनी पूरी शक्ति से लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए आंदोलन चलाया। हजारों युवाओं ने जेल जाना स्वीकार किया, यातनाएँ सही, लेकिन अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाया।

आपातकाल के काले अध्याय से आने वाली पीढ़ियों को अवगत कराना जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1977 के उस आम चुनाव में देश की जनता ने पहली बार किसी गैर कांग्रेसी सरकार को चुनकर लोकतंत्र की नई सुबह का सूत्रपात किया। भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई के बाद वो दूसरी सबसे बड़ी जनक्रांति थी जिसने भारत को सत्ता के एकाधिकार से मुक्ति दिलाने का कार्य किया था।हमारे

सम्पादकीय

अधिकारियों के गांव

उत्तराखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र एवं इनमें उपस्थित गांव के कायाकल्प के लिए जरूरी है कि यहां समुचित योजनाएं कारगर तरीके से चलाई जाए तो वहीं साथ ही गांव के विकास के लिए कुशल पर्यवेक्षक भी सुनिश्चित किया जाए। हालांकि पंचायत स्तर पर ग्रामीण विकास के कार्य संचालित होते हैं लेकिन इधर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आग्रह पर प्रदेश के नवनियुक्त आईएएस अधिकारियों ने अपनी नियुक्ति के प्रथम क्षेत्र के गांव को गोद लेने का संकल्प लिया है जिसके तहत इन अधिकारियों ने 40 गांव विकास की दृष्टि से गोद लिए हैं। भारत ग्रामीण पृष्ठभूमि का देश है और पहाड़ों के गांव भी कृषि विकास की भूमिका निभाते हैं। गांवों का कायाकल्प होने से विकसित प्रदेश और विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। विषम परिस्थितियों से जूझते उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्र के गांव आज भी विकास की गति में कहीं ना कहीं पिछड़े हुए हैं या फिर बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे हैं। राज्य गठन के बाद ग्रामीण क्षेत्र की आंधी की से पलायन देखने को मिला तो वही सरकार अधिकारियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों को एक बार पुन: विकास के मार्ग पर ले जाने के लिए प्रयासरत है। मुख्यमंत्री की पहल पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अपनी प्रथम नियुक्ति स्थल को गोद लेने का जिम्मा सौंपा गया है। योजना के तहत अधिकारियों ने गोद लिए गांवों के विकास के लिए काम करना शुरू कर दिया है। कई अधिकारियों ने गांवों में रात्रि प्रवास के दौरान ग्रामीणों के जनजीवन और उनकी समस्याओं को समझा है। ग्रामीण क्षेत्र एवं ग्रामीणों की समस्याओं पर अधिकारियों के फीडबैक से प्रदेश सरकार गांवों के विकास के लिए अभियान चलाकर काम करेगी। सीएम के खास आग्रह पर आईएएस अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्र के प्रति अपनी भागीदारी निभाने का निर्णय लिया है और 40 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों ने अपनी प्रथम नियुक्ति स्थल को गोद लिया। अपनी इस जिम्मेदारी के तहत अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि ग्रामीण क्षेत्र के लिए जारी होने योजनाएं एवं धनराशियां क्या शत प्रतिशत प्रयोग में लाई जा रही है या फिर ग्रामीण क्षेत्र के विकास की गति में कैसे सुधार लाया जा सकता है। अधिकारियों की ओर दूरस्थ गांवों के विकास की योजना तैयार किए जाने से गांवों का योजनाबद्ध तरीके से विकास हो सकेगा, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि यह प्रक्रिया अनवरत तौर पर चलती रहे अन्यथा इससे पहले भी नेताओं द्वारा विभिन्न गांवों को गोद लेने की बातें सामने आ चुकी हैं।

अतुल्य भारत, अजेय भारत: मोदी युग ने पर्यटन को कैसे नया स्वरूप दिया

गजेंद्र सिंह शेखावत

पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ़ देखा ही नहीं गया है – बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ़ परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्वेलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) के ज़रिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड़ने की सभ्यतागत प्रेरणा के ज़रिए तैयार किया गया था।

2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरुप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फ़ीनिक्स की तरह उभरा – 2024 में यहां 16 लाख से ज़्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40,000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गूंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 30 लाख से ज़्यादा साधकों को आकर्षित किया।

और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया –जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीणोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ –न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड़ने के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था, महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम था, जिसमें 65 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश स्तंभ बन गए। यह पर्यटन नहीं था–यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसंरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)–संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र 'स्वइ को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र – भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें – ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया।

मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने रामायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत सर्किट के तहत 110 परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014–15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5,287.90 करोड़ रूपये की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.0 में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2,106.44 करोड़ रूपये के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ी गईं।

चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप–योजना के तहत, 623.13 करोड़ रूपये की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के लिए 3,295.76 करोड़ रूपये की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी।

इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 100 तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से भारत में 2023 में 250 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी – जो अब तक का सबसे अधिक है।

2024–25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसंरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएचएमएल) में जोड़ा गया। पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनावरण की गई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 50 लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको–टूरिज्म पार्क, टेंट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं – जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं। भारत का सभ्यतागत आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वाराणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही – यह 3डी अनुभव हो गयी। रिवर क्रूज़, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकौशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया।

इस बीच, अतुल्य भारत 2.0 ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पूर्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्ट स्थान प्रदान किया। विपणन को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था।

इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। प्रमुख आतिथ्य अवसंरचना परियोजनाओं में 2014–22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रूपये (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र ने 2023–24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थीं – इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोज़गार की आधारशिला के रूप में उभरा।

पर्यटन एक संपूर्ण आयाम वाले मिशन के रूप में विकसित हुआ। 'एक विरासत अपनाएँ' योजना के तहत प्रमुख स्थलों का कॉर्पोरेट प्रबंधन शुरू हुआ, जबकि उड़ान योजना ने शिरडी, जीरो और मिनिकॉय जैसे दूर–दराज के स्थानों को हवाई मार्ग से जोड़ा। राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन ने टिकट बुकिंग, डेटा और यात्रा कार्यक्रमों का एक एकीकृत प्लेट-फ़ॉर्म में एकीकरण करना शुरू किया।

पूर्वोत्तर– जो कभी उपेक्षित था– मुकुट के एक र प्रतिशत के रूप में उभरा। एक्ट ईस्ट नीति और अवसंरचना पर विशेष ध्यान की वजह से अरुणाचल, सिक्किम और मेघालय जैसे राज्यों में पर्यटकों का आगमन 2014 और 2022 के बीच दोगुना हो गया। जीवंत गांव कार्यक्रम ने किबिथु और माना जैसे दूरदराज के इलाकों को ऐसे गंतव्यों में बदल दिया, जहाँ देशभक्ति का मिलन प्रकृति और विरासत से होता है।

पर्यटन का विचार भी आकांक्षापूर्ण हो गया। भारत में विवाह, राजस्थान और गोवा जैसे विवाह केंद्रों के लिए प्रोत्साहन, अभियान और अवसंरचना के समर्थन में तब्दील हो गया। इस बीच, चिकित्सा और कल्याण पर्यटन के लिए 2022 में 6 लाख से अधिक विदेशी मरीज आये, जिससे भारत दुनिया के अग्रणी उपचार स्थलों में से एक बन गया।

2023 में भारत की जी–20 अध्यक्षता, सांस्कृतिक कूटनीति का एक उत्कृष्ट प्रदर्शन था। दिल्ली तक सीमित रहने के बजाय, खजुराहो से कुमारकोम तक 60 से अधिक गंतव्यों में वैश्विक कार्यक्रमों की मेजबानी हुई, जिनमें से प्रत्येक को स्थानीय कला, खान–पान और विरासत के साथ तैयार किया गया था। दुनिया भारत के साथ सिर्फ़ संवाद नहीं कर रही थी – बल्कि इसे अनुभव भी कर रही थी।

लेकिन आंकड़ों के पीछे, असली परिवर्तन आध्यात्मिक था। भारत ने दुनिया से अपने स्मारकों को देखने के लिए अनुरोध करना बंद कर दिया। देश ने अपनी यादों को महसूस करने, अपनी शांति में स्वस्थ होने और अपनी विविधता का जश्न मनाने के लिए पूरी दुनिया को आमंत्रित किया।

इस नए भारत में, पर्यटन मौसमी नहीं है – यह सभ्यतागत है। यह वह स्थल है, जहाँ दर्शन का विकास से, जहाँ तीर्थयात्रा का प्रगति से और जहाँ त्योहार का अवसंरचना से मिलन होता है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने दुनिया का सिर्फ़ स्वागत नहीं किया – बल्कि उसे गले लगाया।

जैसे भिक्षु बोधि वृक्ष की परिक्रमा करते हैं, जैसे तीर्थयात्री केदारनाथ की ठंडी हवा में मंत्रोच्चार करते हैं, जैसे दुल्हनें महलनुमा गुंबदों के नीचे विवाह करती हैं और जैसे सीमावर्ती गाँव उत्सुक यात्रियों की मेजबानी करते हैं, एक सच्चाई हर पवित्र मार्ग और शांत गलियारे में गूंजती है: भारत केवल एक गंतव्य नहीं है, जहाँ की आप यात्रा करते हैं – यह एक ऐसा देश है, जहाँ आप कुछ शाश्वत की तलाश में बार–बार वापस आते हैं।

माँ की शक्ति, बच्चों का भविष्य : योग से बदलता परिदृश्य

मतीअन्नपूर्णा देवी

चाहे वह बोर्डरूम हो या युद्धभूमि – मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त महिलाएँ ही बदलाव की वाहक होती हैं; महिलाओं के लिए अपनी वास्तविक शक्ति को पहचान कर उसे विकसित करना अत्यंत आवश्यक है, और योग इसकी कुंजी है।

योग की जन्मस्थलीभारत में आज भी इस प्राचीन जीवनशैली को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के पोषण के लिएएक दार्शनिक पद्धति के रूप में स्वीकारकियाजाता है।भगवद्गीता (अध्याय 2, श्लोक 50) में कहा गया है–योगः कर्मसु कौशलम्,अर्थात् 'योग कर्मों में कौशल है।'भगवान श्रीकृष्ण कास्पष्टसंदेश है कि–सच्चायोग शारीरिक आसन या ध्यान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात में परिलक्षित होता है कि हम अपने दैनिक कर्तव्यों को कितनी कुशलता और ध्यानपूर्वकनिभाते हैं।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री के रूप में, मेरा दृढ़ विश्वास है कि योग में परिवर्तनकारी क्षमता है, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने और बच्चों के पोषण में, जो हमारे समाज की नींव हैं। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग ने वैश्विक मंच पर एक कल्याणकारी और सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में पहचान प्राप्त की है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में 21 जून कोअंतरराष्ट्रीय योग दिवसघोषित कियागया, जो भारत की महान आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक मान्यता सिद्धकरता है।

इस वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम,एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योगहैद्य जोकि योग की सर्वसमावेशी और सार्वभौमिक अपील को रेखांकित करती है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी इस बात पर जोर दिया है कि योग किसी कॉपीराइट, पेटेंट या रॉयल्टी से मुक्त है। यह लचीला है – आप इसे अकेले,समूह में, गुरु से या स्वयं भी सीख सकते हैं।जैसे–जैसे हमारा राष्ट्रविकसितभारतबननेकी दिशा में अग्रसर हो रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि योग को महिलाओं और बच्चों के जीवन का अभिन्न अंग बनाया जाए।

भारत की कुल आबादी में महिलाओं और बच्चों की संख्या लगभग दो–तिहाई है, और वे स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं। अतः उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना हम सबका कर्तव्य है, और योग की इसमें महत्वपूर्णभूमिका है।

योग महिलाओं के लिए मानसिक और शारीरिक दोनों दृष्टिसे अनेक लाभ प्रदान करता है। यह हामीनल संतुलन को बेहतर बनाता है, मानसिक तनाव को कम करता है, और मांसपेशियों एवंहड्डियों को मजबूत बनाताहै। विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं की विशिष्ट शारीरिक आवश्यकताओं के अनुसार योग एक समग्र और प्रभावी समाधान प्रदान करता है।

योग को अपनाकर महिलाएँगर्भावस्था से पूर्व औरबाद केपरिवर्तनशीलसमय की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करनेमेंसक्षमबनतीहैं । प्रसवपूर्व योग, अपने विशेष आसनों और ध्यान तकनीकों के साथ, गर्भावस्था की परेशानियों को कम करता है, दर्द प्रबंधन में सहायता करता है, और ऊर्जा को बढ़ाता है। यह गर्भवती माताओं को शारीरिक और भावनात्मक रूप से प्रसव के लिए तैयार करता है। प्रसवोत्तर योग, स्तनपान कराने वाली माताओं को उनकी रिकवरी, भावनात्मकसहायता, स्तनपान को बढ़ावा देने और माँ–बच्चे के रिश्ते को मजबूत करने में मदद करता है।

महिलाओं में योग के अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए, भारत में 25 लाख से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का एक सशक्त नेटवर्क है, जो योग को महिलाओं और बच्चों के दैनिक जीवन में अपनाने के लिए जानकारी, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान कर रहा हैं।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की वकालत की है। वे कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का सक्रिय रूप से समर्थन करते हैं, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विश्व बैंक का यह अनुमान है कि महिला श्रम बल की भागीदारी में वृद्धि से भारत के औद्योगिक उत्पादन में 9 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है और 2047 तक हम एक उच्च आय वाले विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। यह सब तभी हासिल किया जा सकता है जब हमारे पास शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ महिला कार्यबल हो।

आज की तेजी से बदलती दुनिया में, बच्चे भी जीवनशैली संबंधी विकारों, स्क्रीन पर निर्भरता और शैक्षणिक दबावों से तेजी से प्रभावित हो रहे हैं। योग इन चुनौतियों के लिए साक्ष्य–आधारित, समयबद्ध और सांस्कृतिक रूप से निहित प्रतिक्रिया प्रदान करता है। यह एकाग्रता, याददाश्त बढ़ाने, भावनात्मक विनियमन, नींद की गुणवत्ता और तनाव के प्रबंधन को बेहतर करता है – जो समग्र बचपन के विकास के प्रमुख घटक हैं। मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के माध्यम से, हमारा मंत्रालय योग को बच्चों की प्रारंभिक देखभाल और विकास में शामिल कर रहा है, जो आजीवन स्वास्थ्यवर्धक आदतों की नींव रख रहा है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में एक बहुआयामी रणनीति के अंतर्गतयोग को महिलाओं और बच्चों के जीवन के अभिन्न अंग के रूप में अपनाने की दिशा में कार्य कर रहा है।हमारी प्रमुख योजनाएँ, जैसे–आंगनवाड़ी केंद्र, वन स्टॉप सेंटरऔरबाल देखभाल संस्थानआदि न केवल पोषण और कल्याण सम्बन्धी सेवाएँ प्रदान करते हैं, बल्कि योग से जुड़ी विशेष गतिविधियों एवं प्रशिक्षण के माध्यम से लाभार्थियों के जीवन को भी प्रभावित करते हैं। इन केंद्रों में आयुष मंत्रालय के सहयोग से तैयार विशेषयोग मॉड्यूल्सलागू किए जा रहे हैं, जो विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों पर केंद्रित हैं।

मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी

पिछले काफी समय से बॉलीवुड की ट्रैजडी क्वीन मीना कुमारी की जिंदगी को बड़े पर्दे पर लाने की चर्चा हो रही है, जिसके लिए मुख्य अभिनेत्री से जुड़ी नई–नई खबरें सामने आती रहती हैं। पहले मीना की भूमिका के लिए कृति सैनन से संपर्क किया गया था। चर्चा थी कि वह फिल्म के लिए हामी भी भर चुकी हैं। अब ताजा खबर यह है कि मीना की बायोपिक के लिए अभिनेत्री कियारा आडवाणी से संपर्क किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, मीना की बायोपिक की हीरोइन कियारा होंगी। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने उनसे संपर्क किया है। निर्माताओं ने कियारा को फिल्म की स्क्रिप्ट सुना दी है। कहा जा रहा है कि अभिनेत्री को फिल्म की कहानी भी पसंद आ गई है। निर्माताओं का मानना है कि मीना की भूमिका के लिए कियारा सही विकल्प हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान फिल्म महाराज के निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने संभाली है। काम के मोर्चे पर बात करें तो किराया जल्द ही फिल्म वॉर 2 में नजर आएंगी। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा कियारा के पास फिल्म टॉक्सिक भी है, जिसके हीरो सुपरस्टार यश हैं। बता दें कियारा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं।

विजय एंटनी की अगली फिल्म का शीर्षक है लॉयर!

बहुमुखी स्टार विजय एंटनी, जो अपनी तरह की कुछ पहली फिल्मों का प्रयास कर रहे हैं, लॉयर नामक एक आगामी फिल्म में अभिनय करने के लिए तैयार हैं, जो जोशुआ सेथुरमन द्वारा लिखित और निर्देशित है, जो हाल ही में जेंटलवुमेन पर अपने काम के लिए जाने जाते हैं। लॉयर का आधिकारिक शीर्षक सामने आ गया है, जिससे प्रशंसकों में काफी उत्साह है। विजय एंटनी फिल्म कॉरपोरेशन द्वारा निर्मित, लॉयर को एक कोर्टरूम ड्रामा के रूप में वर्णित किया गया है, जो एक विशिष्ट कानूनी मामले पर आधारित है, जिसकी कथा कानून और न्याय के दायरे में सामने आती है।

निर्देशक जोशुआ सेथुरमन ने कथित तौर पर एक सम्मोहक कहानी तैयार की है जिसका उद्देश्य अदालत की सेटिंग और उसकी प्रक्रियाओं को वास्तविक रूप से चित्रित करना है, एक ऐसा विषय जिसे भारतीय सिनेमा में कम ही बार दिखाया गया है। यह फिल्म एक शक्तिशाली सामाजिक ड्रामा होने की भी उम्मीद है।

लीड्स टेस्ट हारने के बाद भारत के नाम जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड

–टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

हेडिंग्ले (लीड्स)। इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड, लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया को करारी हार का सामना करना पड़ा. इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने मैच की पहली और दूसरी पारी में कुल 5 शतक लगाए, लेकिन फिर भी टीम इंडिया मैच बचाने में नाकाम रही. इंग्लैंड ने 5वें और आखिरी दिन सलामी बल्लेबाज बेन डकेट के शानदार शतक की मदद से चौथी पारी में 371 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रच दिया. इंग्लैंड ने टेस्ट इतिहास का 10वां सबसे बड़ा रन चेज पूरा कर लिया. साथ ही यह भारत के खिलाफ टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज भी है. पहली पारी में 3 और दूसरी पारी में 2 शतक लगाने के बावजूद भारत एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के लिए खेले गए पहले टेस्ट मैच को हार गया. इस करारी हार के साथ ही भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक ऐसा शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है जो पहले कभी नहीं देखा गया. 148 साल के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि कोई टीम 5 व्यक्तिगत शतक लगाने के बाद भी टेस्ट मैच हार गई. यह पहली बार था जब भारत ने एक टेस्ट मैच में 5 व्यक्तिगत शतक लगाए. साथ ही यह छठा मौका था जब किसी टीम ने दोनों पारियों में 5 व्यक्तिगत शतक लगाए. हालांकि, पिछले 5 मौकों में से किसी में भी कोई टीम 5 व्यक्तिगत शतक लगाने के बाद टेस्ट नहीं हारी थी.

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया केवल ऐसी टीम थी जो सबसे ज्यादा 4 व्यक्तिगत शतक के बावजूद टेस्ट मैच हार गई थी. ऑस्ट्रेलिया ने 1928/29 में एक टेस्ट में 4 व्यक्तिगत शतक लगाए थे, लेकिन वह मैच हार गया था. अब भारतीय टीम सबसे ज्यादा 5 व्यक्तिगत शतक लगाने के बावजूद किसी टेस्ट मैच को गंवाने वाली पहली टीम बन गई है. भारत ने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 471 रन बनाए थे. इसके बाद इंग्लैंड ने 465 रन बनाए. भारतीय टीम की दूसरी पारी 364 रनों पर समाप्त हुई. इस तरह इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रनों का लक्ष्य मिला, जो उसने 5 विकेट रहते हुए आसानी से हासिल कर लिया. इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने 5 मैचों की एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025–27 चक्र में भारत का यह पहला मैच था. वहीं, नवनियुक्त टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में भी यह भारत का पहला टेस्ट मैच था. इस मैच से भारतीय क्रिकेट में गिल–गंभीर युग की शुरुआत हुई है, लेकिन टीम को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा.

मशहूर कॉमेडियन प्रवीण की फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट का ट्रेलर रिलीज

कई सफल फिल्मों में अपने अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले जाने–माने अभिनेता और कॉमेडियन प्रवीण आगामी फिल्म बकासुर रेस्टोरेंट में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। विवा हर्षा शीर्षक भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म में कृष्ण भगवान, शाइनिंग फणी और केजीएफ गरुड़ राम भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। एसजे शिवा द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्देशन उनके निर्देशन में पहली बार किया जा रहा है और इसका निर्माण एसजे मूवीज के बैनर तले लक्ष्मय्या अचारी और जनार्दन अचारी ने किया है। फिल्मांकन पूरा होने के साथ ही अब फिल्म रिलीज के लिए तैयार है।भूख मिटाने वाली कॉमेडी एंटरटेनर के रूप में वर्णित, बकासुरा रेस्टोरेंट का ट्रेलर रिलीज़ किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जाने–माने निर्देशक मारुति शामिल हुए और ट्रेलर का अनावरण किया।

नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास, ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक डेब्यू में जीता गोल्ड मेडल

ओस्ट्रावा (चेक गणराज्य),दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने इतिहास रच दिया है. चोपड़ा ने मंगलवार को प्रतिष्ठित ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में पहली बार गोल्ड मेडल जीता, जो विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर श्रेणी ए इवेंट है. हालांकि नीरज अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 90.23 मीटर से चूक गए, लेकिन उन्होंने 9 पुरुषों के बीच आसानी से अपना दबदबा बनाया. खास बात यह है कि उनके सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर इस इवेंट में नहीं थे.

दक्षिण अफ्रीका के डॉव स्मिथ ने 84.12 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता, जबकि उन्होंने पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटरसन को पछाड़ दिया, जिन्हें 83.63 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा. भारतीय भाला फेंक स्टार ने इस इवेंट में अपने प्रदर्शन में काफी निरंतरता दिखाई. उन्होंने 4 वैध थ्रो दर्ज किए, और वे सभी 80 मीटर के निशान से परे थे. आखिरी थ्रो से वे उत्साहित थे और उन्होंने ओस्ट्रावा के दर्शकों से अपने आखिरी प्रयास के लिए उनका साथ देने का अनुरोध किया, लेकिन बड़े फिनिश की उनकी योजनाएं धरी की धरी रह गईं क्योंकि वे आगे बढ़ गए, जिसके परिणामस्वरूप फाउल हुआ. नीरज के लिए निर्णायक क्षण उनके तीसरे प्रयास में आया क्योंकि वे दूसरे प्रयास तक दूसरे स्थान पर थे. हालांकि, उन्होंने तीसरे थ्रो में 85.29 मीटर का थ्रो किया और इसके साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक पक्का कर लिया. उसके बाद कोई भी 85 मीटर के निशान के करीब नहीं आ पाया और उन्होंने शानदार अंदाज में गोल्ड मेडल जीता.

एक नजर

समिति ने जिलाधिकारी को गिनवाई समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः नगारिक कल्याण एवं जागरूक विकास समित पौड़ी ने बुधवार को डीएम से मुलाकात कर विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया और इनके निराकरण की गुहार भी लगाई। समिति के पदाधिकारियों ने निर्माणाधीन पॉलीटेक्निक भवन पर कार्य के एक साल से बंद होने, देवार में सीएम घोषणा के अनुरूप एनसीसी अकादमी का निर्माण किए जाने सहित समस्याओं पर कदम उठाने की मांग की। डीएम से मुलाकात के दौरान समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि देवार में पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कोट ब्लॉक के देवार में एनसीसी अकादमी की घोषणा की थी इसके लिए टोकन मनी भी जारी हुई लेकिन इस पर काम आज तक शुरू नहीं हो पाया पौड़ी में एक साल से पॉलीटेक्निक भवन पर काम नहीं हो रहा है। पौड़ी पालिका ने श्रीनगर रोड पर स्लाटर हाउस तो बनाया, लेकिन इसका संचालन नहीं होने से इस चार मंजिला भवन साथ ही पौड़ी बस अड्डे के भूतल पर बने टैक्सी स्टैंड में पानी सीवर का गंदा पानी बह रहा है इससे राहगिरों और यात्रियों को परेशानियों हो रही हैं। डीएम से इन समस्याओं पर जल्द ही कदम उठाने की गुहार लगाई गई। डीएम स्वाति भदौरिया ने कहा कि समिति के साथ बैठक इन समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। समिति के अध्यक्ष रघुवीर सिंह रावत, सचिव गबर सिंह नेगी, कोषाध्यक्ष मकान सिंह, गिरीश बड़थ्वाल, भगवान सिंह, सुरेंद्र सिंह रावत, प्रशांत नेगी, नरेश चंद्र नौडियाल, पुष्कर सिंह आदि शामिल रहे।

यातायात नियमों की अनदेखी, किए चालान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः पौड़ी पुलिस ने ऑपरेशन लगाम के तहत नशे में ड्राइविंग करने पर आठ वाहनों को सीज कर दिया जबकि ओवर स्पीड रैश ड्राइविंग आदि यातायात नियमों के उल्लंघन पर 119वाहनों के चालन भी किए। पौड़ी के एसएसपी लाकेश्वर सिंह ने बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर जिलेभर में पुलिस का चेकिंग कर सख्त कार्रवाई अमल में ला रही है। चेकिंग के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने पर कोतवाली कोटद्वार और थाना लक्ष्मणझूला में 3-3 जबकि कोतवाली श्रीनगर टीम ने 2 वाहनों को पकड़ा। जिस पर वाहनों को सीज कर दिया गया जबकि चालकों के डीएल निरस्त कर दिए गए है। रैश ड्राइविंग और ओवर स्पीड में 26 वाहनों के चालन किए गए। जबकि अन्य यातायात नियमों के उल्लघन पर पुलिस ने 85 वाहनों के एमवी एक्ट में चालानी कार्रवाई अमल में लाई गई।

डीएफओ बोले, गुलदार को लेकर अलर्ट रहें ग्रामीण

टिहरी। बरसात के मौसम में मानव-जीव संघर्ष बढ़ने की संभावना को देखते हुए डीएफओ टिहरी डिवीजन पुनीत तोमर ने कहा कि आने वाले सितंबर-अक्टूबर तक ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को अहतियात बरतने की जरूरत है। खासकर प्रतापनगर व घनसाली के घने वनों से आच्छादित ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को तत्परता दिखाना जरूरी है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीएफओ तोमर ने कहा कि बरसात के दिनों में जंगलों व ग्रामीण क्षेत्र में झाड़ियों के उगने से मानव-जीव संघर्ष की संभावना ज्यादा रहती है। ऐसे में ग्रामीण आसपास झाड़ियों का नियमित कटान करें, ताकि जानवरों को छुपने व घात लगाने की जगह न मिले। अकेले में न निकलें और बच्चों को शाम को या अंधेरे में अकेल न छोड़ें, न ही बाहर जाने दें।

बीते दो दिन पहले ही प्रतापनगर के एक गांव में घर के आंगन में बच्चे पर गुलदार के हमले की घटना सामने आ चुकी है। जिसे लेकर गुलदार संभावित ग्रामीण क्षेत्रों में गश्त तेज कर दी गई है। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर कैमरे भी लगाये जा रहे हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में बंदरों के आतंक पर कहा कि नगर क्षेत्र के मौहल्लों में लोग बंदरों या जंगली जानवरों को खाना न परोसें, बंदरों से पर्याप्त दूरी बनाये रखें। बंदरों से बचाव के लिए शहरी क्षेत्र के मौहल्लों में जागरूकता अभियान चलाया जायेगा और नगर पालिका को बंदरों के पकड़ने के लिए अभियान चलाने को कहा जायेगा।

बी फार्मा की फीस बढ़ाने का विरोध

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की आकस्मिक बैठक में बी-फार्मा सेल्फ फाइनेंस विषय की फीस बढ़ाने को लेकर विचार किया गया। मामले पर विवि के छात्रसंघ अध्यक्ष जसवंत सिंह राणा ने आपत्ति दर्ज की। कहा कि वर्ष 2020 तक वार्षिक फीस 32 हजार के करीब ली जाती थी, जिसे बढ़ाकर 42900 रुपये कर दिया गया।

लोकनिर्माण विभाग ने देवी रोड से हटाया अतिक्रमण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः बुधवार शाम लोकनिर्माण विभाग ने देवी रोड में सड़क किनारे फुटपाथ वाले स्थान पर बने अतिक्रमण को ध्वस्त किया। इस दौरान व्यापारियों ने लोकनिर्माण विभाग की इस कार्रवाई का विरोध भी किया। कहा कि बरसात में सड़क किनारे जलभराव की स्थिति हो सकती है। जिससे आमजन को परेशानी होगी।

देवी रोड पनियाली गदेरे पर बनी पुलिया से मोटर नगर के समीप तक अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया गया। लोकनिर्माण विभाग ने जेसीबी मशीन की मदद से सड़क किनारे व्यापारियों द्वारा बनाई गई स्लैब को ध्वस्त किया।

अभियान के दौरान व्यापारियों ने लोकनिर्माण विभाग की इस कार्रवाई का विरोध भी किया। लेकिन, लोनिवि की सख्ती के आगे उनकी एक न चल सकी। व्यापारियों का कहना था कि वर्तमान में बरसात का समय चल रहा है। ऐसे में लोकनिर्माण विभाग ने दुकानों के आगे से स्लैब को ध्वस्त कर समस्या खड़ी कर दी है। ऐसे में दुकानों के बाहर जलभराव की स्थिति पैदा हो जाएगी। जिससे व्यापारियों व राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं, लोनिवि के अधिकारियों ने बताया कि देवी रोड में कई लोगों ने सड़क किनारे फुटपाथ वाले स्थान पर स्लैब का निर्माण करवा दिया है। आगे भी अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी रहेगा।

कोटद्वार के देवी रोड में सड़क किनारे से अतिक्रमण हटाती लोकनिर्माण विभाग की जेसीबी मशीन

शिविर में 48 लोगों ने किया रक्तदान

जयन प्रतिनिधि कोटद्वारः भारतीय स्टेट बैंक व आधारशिला के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 48 लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान लोगों को रक्तदान के प्रति भी जागरूक किया गया।

बुधवार को देवीरोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ बैंक प्रबंधक शशांक अग्निहोत्री व जौलीग्रांट स्थित हिमालयन चिकित्सालय के जनसंपर्क अधिकारी सुधीर जोशी ने किया। बैंक प्रबंधक शशांक अग्निहोत्री ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक के 70 वर्ष पूरे होने पर पूरे भारत में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। वहीं, देवीरोड स्थित बैंक शाखा परिसर में भी रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें जौलीग्रांट स्थित हिमालयन चिकित्सालय के चिकित्सकों व तकनीशियनों के माध्यम से रक्त एकत्रित किया गया। कहा कि रक्तदान शिविर में 60 लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया, जिसमें से 48 लोगों को रक्तदान के लिए उपयुक्त पाया गया। इस मौके पर आधारशिला समूह के दलजीत सिंह, डा. रौलिका नौटियाल, हिमांशू रावत, मनोज रावत मौजूद रहे।

देवीरोड़ स्थित भारतीय स्टेट बैंक परिसर म रक्तदान करते हुए रक्तदाता

कुलपति ने पौड़ी परिसर का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह ने पौड़ी परिसर निरीक्षण किया। इस दौरान कुलपति ने परिसर के सभी विभागों, पुस्तकालयों और छात्रावासों का निरीक्षण किया। साथ ही कुलपति ने छात्रों से सीधा संवाद भी किया। विश्वविद्यालय के पौड़ी परिसर पहुंचे कुलपति प्रो.प्रकाश सिंह ने शैक्षणिक और प्रशासनिक माहौल को बेहतर बनाने निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कार्मिकों से छात्र केंद्रित कार्यशैली अपनाने पर भी जोर दिया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग करेगा। कुलपति ने कहा कि शैक्षिक गतिविधियों को विस्तार दिया जाए और परीक्षा भी समय पर हो।इसके साथ ही उन्होंने छात्रों से भी लाइब्रेरी में पठन-पाठन के लिए समय निकालने पर जोर दिया। कुलपति ने इस दौरान छात्रों की समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने पौड़ी परिसर में कुलपति शिविर कार्यालय स्थापित किए जाने की भी मंशा जताई ताकि छात्र, शिक्षक और कर्मचारियों से सीधे संवाद किया जा सकें। साथ ही समस्याओं का भी त्वरित समाधान सुनिश्चित हो। इससे पहले कुलपति ने परिसर के संस्थापक डॉ. वी गोपाला रेड्डी और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण भी किया। इस मौके पर पौड़ी परिसर निदेशक प्रो. यूसी गैरोला, चौरास परिसर निदेशक प्रो. आरएस नेगी, मुख्य नियंता प्रो. एससी सती, प्रो. मोहन पंवार, प्रो. विजयी कांत पुरोहित सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र भी मौजूद रहे।

क्षय रोगियों को बांटी राशन किट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः दर्पण वैलफेयर सोसाइटी की ओर से राजकीय बेस चिकित्सालय में कार्य राशन किट बितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्षय (टीबी) रोगियों को राशन किट वितरित किए गए। सोसाइटी के अध्यक्ष त्रिलोक जुयाल व सचिव किरण जुयाल राशन किट लेकर राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने उपचाराधीन क्षय (टीबी) रोगियों को पौष्टिक आहार के राशन किट वितरित किए गए। त्रिलोक जुयाल ने बताया कि टीबी रोगियों को पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाना उनके उपचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, कहा कि दर्पण वैलफेयर सोसाइटी उसी दिशा में सार्थक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य जरूरमंदों तक मदत पहुंचाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। कहा कि उनका यह प्रयास भविष्य में भी जारी रहेगा। चिकित्सालय प्रशासन ने दर्पण वैलफेयर सोसाइटी की के इस प्रयास की सराहना की है। कहा कि सामाजिक संगठनों को भी दर्पण सोसाइटी से प्रेरणा लेनी चाहिए।

आपातकाल में जेल जाने वालों के स्वजनों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः भारतीय जनता पार्टी की ओर से आपातकाल के दौरान जेल जाने वालों के स्वजनों को सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने आपातकाल को लोकतंत्र पर काला धब्बा बताया। आपातकाल के पचास वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, गोसेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल व ऋषि कंडवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। शैलेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि 25 जून 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया। यह निर्णय किसी युद्ध या विद्रोह के कारण नहीं, बल्कि न्यायपालिका द्वारा प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को रद्द किए जाने और सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया था। भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आपातकाल के काले अध्याय में न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को रौंदा, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि जब-जब उनकी सत्ता और वंशवाद की राजनीति के अस्तित्व पर संकट होता है। कार्यक्रम के दौरान आपातकाल के दौरान जेल गाए स्व.रामचंद्र वर्मा के पुत्र कैलाश वर्मा, स्व.गोपीचंद सचदेवा की पुत्र वधू सुरभी सचदेवा व स्व.बृजमोहन गोयल के पुत्र राकेश गोयल को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मोहन सिंह नेगी, विकास दीप मित्तल, उमेश त्रिपाठी, आशीष रावत, सुरेन्द्र आर्य आदि मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम में स्व.बृजमोहन गोयल के पुत्र राकेश गोयल को सम्मानित करते भाजपा पदाधिकारी

गिवईस्रोत में हो रही दूषित पेयजल आपूर्ति

जल्द समस्या का निराकरण नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भले ही जल संस्थान क्षेत्र में शुद्ध जल आपूर्ति के दावे कर रहा हो। लेकिन, हकीकत यह है कि आज भी लोगों के घरों में दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। हालत यह है कि नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत गिवईस्रोत में पिछले कई माह से दूषित पानी आ रहा है। बरसात के मौसम में यह समस्या और आधिक बढ़ गई है। पानी में कीचड़े तक आने लगे हैं। वार्डवासियों का आरोप है कि वह इस संबंध में कई बार जल संस्थान से शिकायत भी कर चुके हैं। लेकिन, अब तक हालत जस के तस बने हुए हैं।

गिवईस्रोत मोहल्ले के लिए पांचवे मील के समीप स्थित जल संस्थान के फिल्टर प्लांट से पेयजल की व्यवस्था बनाई गई है। लेकिन, पिछले लंबे समय से क्षेत्र में लगातार दूषित पेयजल आपूर्ति हो रही है। वार्डवासी, सोहन सिंह, सुनील कुमार ने बताया कि कई बार पानी इतना गंदा होता है कि पीने तो दूर इसका उपयोग कपड़े धोने के लिए भी नहीं कर सकते। पिछले एक माह से वार्डवासी पानी को कपड़े से छानकर पी रहे रहे हैं। वर्षा के मौसम में पानी में केचवे व अन्य कीचड़ आ रहे हैं। ऐसे में वार्डवासियों को संक्रामक बीमारियों के फैलने का भी खतरा बना हुआ है। शिकायत के बाद भी कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर स्थिति को देखने तक नहीं पहुंचा है। वार्डवासी पानी के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हो रहे हैं। कहा कि जल संस्थान को समस्या का गंभीरता से निराकरण करना चाहिए। अन्यथा वार्डवासी जल संस्थान के कार्यालय में पहुंचकर आंदोजन को मजबूर होंगे।

कोटद्वार के गिवईस्रोत में पानी को कपड़े से छानने के बाद निकला केचवा व कीड़े

मोख मल्ला सड़क पर कार्य करने वाले श्रमिकों के मेहनताने का हुआ भुगतान

चमोली। चमोली की मोख मल्ला सड़क के निर्माण कार्य करने वाले श्रमिकों के मेहनताने का जिलाधिकारी संदीप तिवारी के हस्तक्षेप के बाद भुगतान हो गया है। श्रमिक बीते पांच वर्षों से भुगतान के लिए प्रयासरत थे। बता दें कि एनपीसीसी की ओर से वर्ष 2020.21 में मोख तल्ला सड़क का निर्माण कार्य ठेकेदार के माध्यम से करवाया गया था। लेकिन निर्माण के बाद ठेकेदार की ओर से श्रमिकों का वर्तमान तक भुगतान नही किया गया था।

जिसे लेकर श्रमिकों की ओर से जिलाधिकारी चमोली से भुगतान करवाने के लिए पत्र दिया गया। जिस पर जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एनपीसीसी के परियोजना प्रबंधक को शीघ्र श्रमिकों का भुगतान करवाने के आदेश दिए।

सेल्फी प्वाईंटों को बनायें सुरक्षित-डीएम खंडेलवाल

टिहरी। डीएम नितिका खंडेलवाल ने सम्बंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के सेल्फी प्वाइंटों को सुरक्षित बनाने का काम करें। जिससे किसी भी पर्यटक या आम आदमी की जान जोखिम में न पड़े।

डीएम ने कहा कि डिजीटल तथा सोशल मीडिया के युग में सेल्फी लेने तथा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म में अपलोड करने का प्रचलन तेजी से बढ़ने के कारण कई बार लोग अपनी जान की परवाह किए बिना खतरनाक स्थानों पर चले जाते हैं। जिससे उनकी जिन्दगी खतरे में पड़ जाती है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां लोग उंग्घाई वाले स्थानों, प्रतिबन्धित क्षेत्रों, रेलवे ट्रैक, रेलवे स्टेशन, धार्मिक स्थलों, जलप्रपात, नदी, तालाब, तीव्र ढाल वाली पहाड़ियों, खतरनाक जानवरों तथा जीव-जन्तुओं के सामने, उंग्घी इमारतों, पुलों, चलते वाहन, वाहन के सन रूफ आदि पर सेल्फी लेने के प्रयास में दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं।

कर्मचारियों को पांच माह से नहीं मिला वेतन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत संविदा कर्मियों को पिछले पांच माह से वेतन नहीं मिला है। आक्रेशित कर्मचारियों ने विभाग को पत्र भेजते हुए जल्द वेतन देने की मांग की है। कहा कि वेतन नहीं मिलने से उनके परिवार के समक्ष कई समस्याएं खड़ी होने लगी हैं।

बुधवार को पीआरडी कर्मियों ने स्वास्थ्य विभाग को ज्ञापन भेजा। कहा कि लगातार मेहनत व परिश्रम करने के बाद भी उन्हें समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है। वेतन न मिलने से उन्हें परिवार का भरण पोषण करना चुनौती बन गई है। सबसे अधिक परेशानी किराए के कमरों में रहने वाले कर्मचारियों को हो रही है। बताया कि इस संबंध में वह पूर्व में जिलाधिकारी को भी पत्र भेज चुके हैं। लेकिन, अब तक वेतन नहीं दिया गया है। इस मौके पर अमित रावत, अराती बिष्ट, अनिल शर्मा, दीपा असवाल, निर्मला रावत, नीलम नेगी, शैलेंद्र, अर्जुन ने आदि मौजूद रहे।

फिजिशियन का संकट

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग जिला चिकित्सालय में एक बार फिर से महत्वपूर्ण चिकित्सकों का संकट पैदा हो गया है। विशेष रूप से गायनेकोलॉजिस्ट और फिजिशियन के लिए मरीजों को इधर, उधर भटकने की स्थिति हो गई है। जिला चिकित्सालय में स्त्री रोग विशेषज्ञ रही कुशल और मरीजों को बेहतर सेवाएं देने वाली निर्वतमान जिलाधिकारी की पत्नी डॉ सोनाली ने देहरादून अटैचमेंट के लिए आवेदन किया है जबकि फिजिशियन का एक पद रिक्त है। जिले के एक मात्र जिला चिकित्सालय में मरीजों को उपचार के लिए डॉक्टरों की कमी परेशानी में डाल रही है। गायनी के स्वीकृत दो पदों में एक ही डॉक्टर तैनात है, और वे भी एनएचएम यूकोल्ड वीप से संविदा पर लगे हैं जिनकी सेवा 30 जून तक है इसके बाद उन्होंने सेवा विस्तार के लिए आवेदन किया है। वहीं निर्वतमान जिलाधिकारी की पत्नी डॉ सोनाली पति के स्थानांतरण के चलते अटैचमेंट के लिए आवेदन कर चुकी हैं जिससे उनका स्थानांतरण होना तय है। वहीं फिजिशियन के दो पदों में एक ही तैनात है जबकि एक रिक्त है। इसके साथ ही 8 वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर के स्वीकृत पदों में एक भी कार्यरत नहीं है। हालांकि नर्सिंग ऑफिसर के 51 पदों के सापेक्ष 49 कार्यरत है। सामाजिक कार्यकर्ता शैलेंद्र गोस्वामी, रूपेश सेमवाल, लक्ष्मण बिष्ट, जसपाल भारती ने कहा कि जिला चिकित्सालय में जल्द से जल्द स्त्री रोग विशेषज्ञ की तैनाती की जानी चाहिए जिससे महिलाओं को सुविधा मिल सके।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ.) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा वाणिज्य विज्ञापन, मेडिकल आउटलेट, पूजा सामग्री कीओस्क, रेल कोच रेस्टोरेंट, बैटरी ऑपरेटेड व्हीकल एवं प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधी केंद्र के ठेकों तथा नैमिषारण्य रेलवे स्टेशन पर रिटायरिंग रूम के ठेके को संचालन एवं आवंटन हेतु ई-बोलियाँ website: www.ireps.gov.in पर दिनांक 11.07.2025 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1902/2025

उत्तराखण्ड पॉवर कॉरपोरेशन लि.

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्याः U40109UP2001SG025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी.एस.टी., व ई.पी.एफ. में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 15.07.2025 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 14.07.2025 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक / डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू.)
09/2025-26	₹500/-	वि.वि.उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन कोटद्वार में पॉवर परिवर्तक की क्षमता वृद्धि का कार्य।	24000.00
10/2025-26	₹500/-	वि.वि.उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन बलभद्रपुर में पॉवर परिवर्तक की क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	18000.00
11/2025-26	₹500/-	वि.वि.उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन गिवईस्रोत में पॉवर परिवर्तक की क्षमता वृद्धि का कार्य।	24000.00
12/2025-26	₹500/-	वि.वि.उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन धुन्नपुर में पॉवर परिवर्तकं की क्षमता वृद्धि का कार्य।	23500.00
13/2025-26	₹250/-	वि.वि.उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन सिगड्डी में पॉवर परिवर्तक की क्षमता वृद्धि का कार्य।	18500.00
14/2025-26	₹500/-	वि.वि. उपखण्ड तृतीय, जयहरीखाल के अन्तर्गत ग्राम जाख में सोलर पॉवर प्लान्ट के विद्युतीकरण हेतु लाइन निर्माण का कार्य।	24000.00

पत्रांक: 1264/विविखको/टी-6 दिनांक: 25.06.2025 अधिशासी अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें।
(टोल फ्री नं. 1912) विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं।
(विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं. 1800 180 4185/ फैक्स संख्या-0135-2760911 पर दें।)

बिजली आपूर्ति बाधित होने से 52 से अधिक गांव में जल संकट से परेशान

टिहरी। भागीरथी पर बनी कोटेश्वर झण्डीधार पेयजल योजना में विद्युत आपूर्ति बार-बार बाधित होने से 52 से अधिक गांवों को जल संकट से जूझना पड़ रहा है। इसके चलते पौड़ीखाल क्षेत्र की बड़ी आबादी हैंड पंपो के भरोसे पेयजल जुटाने को मजबूर है। क्षेत्र में कई प्राकृतिक जलस्रोतों के सूखने से भी यहां पेयजल की किल्लत और गहरा गई है। विकास खंड देवप्रयाग में पौड़ी खाल क्षेत्र की 24 ग्राम पंचायतों के लिए भागीरथी पर कोटेश्वर झण्डीधार पम्पिंग योजना का निर्माण किया गया था। इसके तहत झण्डीधार में 8 लाख व पंचूर में 3 लाख लीटर के टैंकों का निर्माण किया गया। मगर झण्डीधार पेयजल योजना में तकनीकी खराबी आते रहने से इससे बराबर जलापूर्ति नहीं बन पायी है। क्षेत्र के केंद्र पौड़ीखाल में इसका सबसे अधिक असर पड़ रहा है। जहां करीब दो हजार की आबादी एक हैंड पंप के भरोसे बनी है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र भट्ट के अनुसार 11 लाख लीटर क्षमता की कोटेश्वर झण्डीधार योजना से जलापूर्ति बार-बार बाधित होने से ग्रामीणों को जल संकट झेलना पड़ रहा है। पौड़ीखाल में दो हैंडपंपों में से एक खराब हो चुका है। जबकि दूसरा हैंडपंप भी लगातार चलने से कभी भी दम तोड़ सकता है। यहां करीब 9 सौ छात्र-छात्राएं भी इसी हैंड पंप के भरोसे हैं, क्योंकि झण्डीधार पेयजल योजना से कभी भी जलापूर्ति ठप पड़ जाती है। क्षेत्र में प्राकृतिक जल स्रोत सबसे अधिक प्रभावित हुए है। यहां मालू मरोडा गांव में बड़ा जल स्रोत इस तरह सूख चुका है, मानो यहां कभी वह था ही नहीं। पौडी खाल क्षेत्र के कई गावों में यह स्थिति बन चुकी है। जल संस्थान देवप्रयाग अधिशासी अभियंता नरेशपाल सिंह के अनुसार विद्युत आपूर्ति में बाधा आने से झण्डीधार पंपिंग योजना से जलापूर्ति नहीं हो पाती है।

मानसून से पहले हर स्थिति से निपटने के लिए रहें तैयारः डीएम जैन

रुद्रप्रयाग। मानसून सीजन को देखते हुए नवनियुक्त जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने महत्वपूर्ण विभागों की बैठक ली जिसमें उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए कि किसी भी आपदा प्रबंधन की पूर्व तैयारियां पूरी कर ली जाएं। आपदा की किसी भी स्थिति में निपटने के लिए पूरी तैयारी और इंतजाम किए जाएं। ताकि जनता को किसी तरह की दिक्कतें न हो। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युत, जल संस्थान, लोनिवि, पीएमजीएसवाई, डीडीआरएफ, खाद्य व विकास आदि विभागों के अफसरों को जरूरी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने लोनिवि, पीएमजीएसवाई और एनएच को निर्देश दिए कि यात्रा मार्गों पर भू-स्खलन वाले चिह्नित स्थानों पर जेसीबी रखते हुए ऑपरेटर मुस्तैद किए जाएं। बारिश से भू-स्खलन के चलते मार्ग बाधित होने पर आपसी समन्वय बनाकर तत्काल कार्य करते हुए मार्ग सुचारु किया जाए। निर्देश दिए कि ऐसे प्राइवेट संस्थान जिनके पास जेसीबी और अन्य मशीनें हैं उनके फोन नंबर भी जुटा लिए जाएं ताकि जरूरत पड़ने पर सम्पर्क स्थापित किया जा सके। जिलाधिकारी ने सड़क बंद होने के साथ ही केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर आपदा की स्थिति में यात्रियों के लिए भोजन के पैकेट, पेयजल की व्यवस्थाएं सुचारु रखने के निर्देश दिए। सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार व बीडीओ को आपदा से संवेदनशील क्षेत्रों के समस्त सड़क मार्गों व पैदल मार्गों की जानकारी एकत्र करने, जनपद के ऐसे स्कूल को चिन्हित किया जाए जहां आपदा की स्थिति में आम जनमानस को ठहराया जा सके। जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण से जुड़े विभागों के साथ ही वन व राजस्व विभाग को यात्रा मार्गों से सटे वैकल्पिक मार्गों को चिन्हित कर झाड़ियां काटने के साथ ही मार्ग दुरस्त करने के निर्देश दिए। सभी हेलीपैडों की स्थिति की जानकारी लेने, वहां तक जाने वाले रास्तों को सुचारु करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के लिए सभी संसाधनों की पूर्व तैयारी कर ली जाए। सेटेलाइट फोन, वायरलेस सेट को संबंधित सेक्टर मजिस्ट्रेटों तक व्यवस्थित वितरण करने, उनकी सूची बनाने व संचालन के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तहसील क्षेत्र में संवेदनशील भवनों का चिन्हीकरण कर एसमें रहने वाले परिवारों को मानसून काल में अन्यत्र शिफ्ट करें।

संक्षिप्त समाचार

व्यापारियों को बताए जीएसटी पंजीकरण के फायदे

देहरादून। राज्य कर विभाग की ओर से राजेंद्रनगर व्यापार संघ, कृष्णनगर व्यापार संघ और सैय्यद मोहल्ला दुकानदार समिति के साथ जागरूकता बैठक की गई। इसमें व्यापारियों को जीएसअी पंजीकरण के फायदे बताए गए। साथ ही जीएसटी को लेकर संशय को भी दूर किया गया। जीसएटी की ओर से डिप्टी कमिश्नर विजय कुमार और प्रकाश शुक्ला ने व्यापारियों को जीएसटी पंजीकरण की व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को भी समझाया। इस मौके पर व्यापारियों ने जीएसटी को लेकर अपनी समस्याओं को भी रखा और अफसरों से सवाल भी पूछे। जिनका समाधान मौके पर जीएसटी अफसरों ने किया। साथ ही बताया कि जीएसटी की पूरी प्रक्रिया काफी आसान है और इसमें टैक्स की गणना करना कोई उलझन भरा काम नहीं है। इस मौके पर असिस्टेंट कमिश्नर अश्वनी पांडे, पूनम राजपूत, एसटीओ रघुवीर सिंह, गजेंद्र भंडारी ने भी व्यापारियों को जीएसटी के बारे में जानकारी दी। बैठक में राजेंद्र नगर व्यापार संघ के अध्यक्ष डीडी अरोड़ा, महामंत्री हरीश गुप्ता, कृष्णनगर दुकानदार समिति के अध्यक्ष प्रेम भाटिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील गुप्ता, सैय्यद मोहल्ला दुकानदार समिति के महामंत्री इलियास अहमद के अलावा आरपी झाम, प्रवीन चौरसिया, राज कुमार गोयल समेत अन्य मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के ठेकेदार बंद करेंगे काम

देहरादून। देवभूमि जल शक्ति कांट्रेक्टर वेलफेयर एसोसिएशन ने जल जीवन मिशन के कार्यों को बंद करने की चेतावनी दी। पेयजल योजनाओं के निर्माण का भुगतान न किए जाने पर विरोध जताया। अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने सचिव पेयजल शैलेश बगोली को भेजे पत्र में तत्काल योजनाओं का भुगतान करने को दबाव बनाया। कहा कि एसोसिएशन ने तय किया है कि बकाया भुगतान न होने पर ठेकेदार अब आगे काम नहीं करेंगे। कहा कि तीन दिन के भीतर भुगतान न किए जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद कोई शासन स्तर से भुगतान का कोई प्रयास नहीं किया गया। ऐसे में मजबूरन काम बंद कर दिया जाएगा। उपाध्यक्ष सचिन मित्तल ने बताया कि शासन की ओर से वार्ता को बुलाया गया है। वार्ता में कोई सकारात्मक निर्णय न निकलने पर सीधे आंदोलन खड़ा कर दिया जाएगा। भुगतान न होने पर काम बंद कर दिया जाएगा।

रेशम फेडरेशन ने कमाया एक करोड़ का मुनाफा

देहरादून। उत्तराखंड कोऑपरेटिव रेशम फेडरेशन ने इस साल एक करोड़ का मुनाफा कमाया। दून सिल्क ब्रांड नाम से 2.34 करोड़ के रेशमी उत्पाद बेचे गए। सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि रेशम फेडरेशन में कम्प्लीट वैल्यू चेन प्रणाली लागू होने से फेडरेशन की व्यावसायिक गतिविधियों को बल मिला है। इससे रेशमी उत्पादों के निर्माण, विक्रम में वृद्धि हुई। इसके अलावा कम्प्लीट वैल्यू चेन के जरिये धागा निर्माण, डिजाइनिंग, पैकेजिंग और विपणन आदि क्षेत्रों पर भी फोकस किया गया। 1500 किलो रेशम धागा का उत्पादन किया गया। बुनकरों, टिविस्टरों और समूहों ने बड़े पैमाने पर रेशम वस्त्रों का उत्पादन किया। फेडरेशन ने इन्हें अपने ब्रांड ह्यदून सिल्क के रिटेल काउंटरों पर बेचा। बताया कि प्रदेश में 6500 से अधिक शहतूती रेशम कीटपालक कीटपालन का काम कर रहे हैं। फेडरेशन की प्राथमिक सहाकारी समितियों के 80 फीसदी कीटपालक हर साल तीन लाख किलो रेशम कोया उत्पादित किया जा रहा है। फेडरेशन से 5501 लाभार्थी जुड़े हैं। फार्म टू फेब्रिक परियोजना में देहरादून, हरिद्वार में 200 लाभार्थियों का चयन किया गया है। लाभार्थियों को कीटपालन गृह निर्माण को शत–प्रतिशत सब्सिडी के रूप में 1.12 लाख की धनराशि दी जा रही है।

पंचायतीराज को मिली स्वच्छ भारत मिशन की जिम्मेदारी

देहरादून। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण प्रोजेक्ट का जिम्मा पंचायतीराज विभाग को सौंप दिया गया है। कैबिनेट ने बुधवार को फैसले पर मुहर लगाई। अभी तक ये जिम्मेदारी पेयजल विभाग के अधीन स्वजल की ओर से देखी जा रही थी।

एक अप्रैल 2026 से पंचायतीराज विभाग जिम्मेदारी उठाएगा। कैबिनेट में पेयजल विभाग की ओर से ये प्रस्ताव लाया गया। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण तृतीय चरण के शुरू होने पर इसके क्रिान्वयन को पंचायतीराज विभाग को कैबिनेट ने अधिकृत किया।

डीएम आवास में लगा स्मार्ट विद्युत मीटर

चमोली। बिजली उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिलाधिकारी संदीप तिवारी के शासकीय आवास में स्मार्ट विद्युत मीटर स्थापित कर दिया गया है।

स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ता अपनी विद्युत खपत की रीयल टाइम निगरानी कर सकेंगे, जिससे विद्युत उपभोग में पारदर्शिता के साथ–साथ ऊर्जा बचत भी सुनिश्चित होगी। जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इसी तर्ज पर जनपद के सभी शासकीय आवासों एवं कार्यालयों में चरणबद्ध रूप से स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे स्मार्ट मीटर को अपनाएं, ताकि पारंपरिक मीटरिंग प्रणाली से हटकर एक आधुनिक, सटीक और जिम्मेदार विद्युत उपभोग की दिशा में कदम बढ़ाया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि स्मार्ट मीटर से बिजली बिलों में पारदर्शिता आयेगी वंही उपभोक्ता अपनी विद्युत खपत का आंकलन कर सकेंगे, जिससे ऊर्जा की अनावश्यक बर्बादी को रोका जा सकेगा।

पंचायत चुनाव मानसून सीजन के बाद हों: जुगरान

देहरादून। उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलनकारी सम्मान परिषद के पूर्व अध्यक्ष रवींद्र जुगरान ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयुक्त को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सभी राजनीतिक दलों और पक्षकारों से विचार– विमर्श के बाद मानसून सीजन के बाद कराए जाने पर सहमति बनानी चाहिए। जुगरान ने कहा कि चूंकि अभी यह मसला हाईकोर्ट में लंबित है, इसलिए न्यायालय को भी मानसून सीजन में चुनाव ना कराने का सुझाव देना चाहिए। कहा कि राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थितियां हैं और मानसून सीजन में नदी–नाले उफान पर रहते हैं।

इसके साथ ही राज्य में भूस्खलन व बादल फटने की घटनाओं में बीते वर्षों में इजाफा भी हुआ है। इससे आम जीवन अस्त व्यस्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य के नागरिकों की जान माल की सुरक्षा सवीच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, चुनाव तो बरसात बाद भी हो सकते हैं।

बाइक रैली निकालकर पुलिस ने नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के निर्देश पर पुलिस ने बुधवार को जागरूकता बाइक रैली निकाली। रैली से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताकर उनसे नशे से दूर रहने का आह्वान किया गया। रैली का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक नगर पंकज गैरोला ने ऋषिकुल मैदान से हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में शहर क्षेत्र के विभिन्न थानों तथा चौकियों से बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी बाइक और स्कूटी पर सवार होकर शामिल हुए। रैली ऋषिकुल मैदान से देवपुरा चौक, शिवमूर्ति चौक, वाल्मीकि चौक, पोस्ट ऑफिस से अपर रोड से होकर हरकी पैड़ी मार्ग से होकर गुजरी। इस दौरान लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

प्रशासन का लक्ष्य, हर घर तक शुद्ध पेयजल की निर्बाध आपूर्ति : डीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री के सुशासन एवं जनसेवा संकल्प के तहत पेयजल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान को लेकर जिला प्रशासन सर्तकता और सक्रिम्रता से डे–टू–डे समस्या का निदान करने में जुटा है। विगत 14 अप्रैल से लेकर 17 जून तक पेयजल की 167 शिकायतें मिली है, जिसमें से 162 शिकायतों का समाधान कर लिया गया है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर एडीएम की अध्यक्षता में जिले स्तर पर समिति गठित की गई है, जो नियमित रूप से पेयजल शिकायतों की मॉनिटरिंग में लगी है। डीएम के निर्देश पर पेयजल सप्लाई से जुड़े 07 विभागों के अधिकारी 20 अप्रैल से 24ग7 जिला कंट्रोल रूम में तैनात किए गए है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बरसात के दौरान पानी की सप्लाई अवरुद्ध न हो। हर घर तक निर्बाध रूप से स्वच्छ पानी की सप्लाई जारी रहे। सभी जल स्रोत और टैंकों का नियमित क्लोरीनेशन के साथ पानी की गुणवत्ता को मेंटेन किया जाए। उन्होंने पेयजल से जुड़े विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पानी की शिकायत मिलते ही उसी दिवस उसका समाधान कर लिया जाए। कहा कि हमारा लक्ष्य हर घर तक शुद्ध पेयजल की प्रतिदिन निबार्ध आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

अजबपुर कलां एवं मोथरोवाला में पानी की समस्या पर अधिशासी अभियंता ने बताया कि गेल कंपनी के निर्माण कार्यो के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिस कारण एनएचबी कॉलोनी और बैंक कॉलोनी में पेयजल आपूर्ति बाधित रही। क्षतिग्रस्त पेयजल लाइन की मरम्मत कराते हुए पेयजल सप्लाई सुचारू कर दी गई है। लो प्रेशर के कारण कुछ घरों में कम पानी पहुंचने पर टैंकर के माध्यम से भी आपूर्ति कराई जा रही है।

वहीं गंगा एनक्लेव में पेयजल की शिकायत पर बताया कि विद्युत केबल बिछाने के दौरान पानी की लाइन टूट गई थी। जिस कारण एकता विहार नलकूप को बंद करना पड़ा था। पेयजल लाइन की मरम्मत करने के बाद पानी की सप्लाई सुचारू कर दी गई है।

एलईओ की प्रशिक्षण अवधि घटाने का विरोध हुआ तेज

देहरादून। उत्तराखंड डिप्लोमा पशुचिकित्सा सेवा संघ की ओर से कैडर पशुधन प्रसार अधिकारियों (एलईओ) की प्रशिक्षण अवधि दो के बजाए अब एक वर्ष किए जाने का विरोध किया गया है। इस संबंध में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर मामले का पुनः परीक्षण कराए जाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल की ओर से इस संबंध में एक ज्ञापन भी मुख्यमंत्री को सौंपा गया। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अरूण पांडे और महामंत्री शक्ति प्रसाद भट्ट ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस मामले में शीघ्र ही वार्ता के लिए बुलाए जाने का आश्वासन दिया है। सीएम को सौंपे ज्ञापन में परिषद की ओर से कहा गया कि 18 जून को मंत्रीमंडल की बैठक में पशुपालन विभाग के कैडर पशुधन प्रसार अधिकारी के प्रशिक्षण अवधि को दो वर्ष से घटाकर एक वर्ष किए जाने का निर्णय लिया गया है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद इस फैसले का विरोध करता है। इस संबंध में डिप्लोमा पशुचिकित्सा सेवा संघ ने जो तर्क प्रस्तुत किए हैं, परिषद उनसे पूरी तरह सहमत है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में डिप्लोमा पशुचिकित्सा सेवा संघ की ओर से लगातार विरोध किया जा रहा है।

चमोली के बंधक को छुड़ाने बलूनी ने पंजाब के राज्यपाल से की बात

देहरादून। सालों से पंजाब के तरन तारन जिले में बंधक बनाए गए नारायणबगड़ (चमोली) के एक युवक को छुड़ाने के लिए बुधवार को गढ़वाल सांसद व भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी ने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से टेलीफोन पर बात की। उन्होंने राज्यपाल से बंधक बनाए गए युवक को जल्द उनके पैतृक आवास छोड़ने का आग्रह किया। बलूनी ने बताया किमुझे सोशल मीडिया के जरिए एक वीडियो मिला है जिसमें बताया गया है कि उत्तराखंड के नारायणबगड़ (चमोली) का एक नौजवान राजेश लाल पंजाब के किसी जगह पर एक गौशाला मालिक ने पंद्रह साल से बंधुआ मजदूर बनाकर रखा हुआ है। उन्होंने बताया कि वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने इस युवक को मुक्त कराने और मदद करने की गुहार की जा रही है। जैसे ही यह मसला सांसद बलूनी के संज्ञान में आया, तो उन्होंने पंजाब के राज्यपाल कटारिया से बात कर युवक को रिहा कराने का आग्रह किया। उन्होंने राज्यपाल से संबंधित युवक को उनके घर नारायणबगड़ सकुशल पहुंचाने का भी अनुरोध किया। राज्यपाल कटारिया ने भी इस विषय पर चिंता व्यक्त की और इस घटना की पूरी जांच शीघ्र कराने के लिए आश्वस्त किया। बलूनी ने बताया कि इसके बाद पंजाब राजभवन कार्यालय से उन्हें जानकारी दी कि युवक को मुक्त कर लिया गया है और इस घटना की जांच को पुलिस महानिदेशक पंजाब को निर्देश दिए गए हैं। उधर, उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा के महासचिव मोहित डिमरी ने पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजकर बंधक बनाए गए युवक को जल्द रिहा करने की मांग की है।

विवादित भाजपा महिला नेत्री को योग दिवस पर जेल में किया गया सम्मानित: रौतेला

देहरादून। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने आरोप लगाया है कि अपनी नाबालिग बेटी को अपने प्रेमी और उसके साथी के साथ बार–बार दुष्कर्म के लिए मजबूर करने वाली भाजपा महिला नेत्री को जेल में सरकार की ओर से विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं। इतना ही नहीं महिला नेत्री को कुछ दिन पूर्व जेल में योग दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित भी किया गया है। उन्होंने राज्य में बढ़ते महिला अपराधों और इनमें भाजपा नेताओं की संलिप्तता पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इन मामलों में राज्य सरकार की चुप्पी भी गंभीर विषय है। बुधवार को कांग्रेस भवन में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए अध्यक्ष रौतेला ने कहा कि इतना कुछ होने के बाद भी भाजपा महिला नेत्री को जेल में सम्मानित किया जाना, शर्म का विषय है। इससे यह भी स्पष्ट हो गया है कि महिला नेत्री को जेल में वीआईपी सुविधाएं दी जा रही हैं। यह बात महिला नेत्री की सोशल मीडिया में वायरल ऑडियो क्लिप से भी साबित हो गई है, जिसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या जेल प्रशासन सभी कैदियों को इसी प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराता है कि वे अपने घर पर बात कर सकें? ज्योति रौतेला ने कहा कि एक ओर भाजपा यूसीसी कानून का गाना गा रही है, वहीं उसी की पार्टी के पूर्व विधायक सुरेश राठौर प्रकरण ने भाजपा के झूठ और नैतिकता की पोल खोल कर रख दी है।

नीलम थपलियाल को मिला ग्रीन एनवायरमेंट अवार्ड

देहरादून। डीपीएस ऋषिकेश की प्रधानाचार्या नीलम थपलियाल को एपीजे अब्दुल कलाम ग्रीन एनवायरनमेंट प्रमोशन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय और थाईलैंड के सुआन सुनंदा विवि की ओर से बैंकाक में आयोजित सम्मेलन के दौरान उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया। विदित है कि नीलम थपलियाल धाद संस्था से जुड़ी हुई हैं और पर्यावरण संरक्षण के साथ ही उत्तराखंड की परंपराओं से वह लंबे समय से जुड़ी हुई हैं। नीलम थपलियाल ने बताया कि सम्मेलन में सुआन सुनंदा विवि के निदेशक, कैनाबिस हेल्थ साइंस एवं मेडिकल हर्ब्स प्रोग्राम डॉ थवातचाई कमोलथम और डीन एलाइड हेल्थ साइंसेज डॉ सोमदेच रुंस्त्रीसावात की ओर से उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया है।

दंत चिकित्सा क्षेत्र में गुणवत्ता और मानकीकरण पर बीआईएस का सशक्त संवाद

रुड़की। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), देहरादून शाखा द्वारा दिनांक 25 जून 2025 को होटल दीप रेज़ीडेंसी, रूड़की में "मानक मंथन एवं उद्योग संवेदनशीलता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य दंत चिकित्सा उपकरणों से संबंधित अधिसूचित भारतीय मानकों – कर 19051:2025, कर 18951:2025 एवं कर 18101:2023 – तथा गुणवत्ता नियंत्रण आदेश की जानकारी उद्योग को प्रदान करना था।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती कल्पना सैनी ने बीआईएस के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि गुणवत्ता और सुरक्षा एक सशक्त राष्ट्र की नींव हैं। उन्होंने सभी उद्यमियों से बीआईएस मानकों को अपनाने एवं ह्मेक इन इंडियाह्व अभियान को मजबूती देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में शोभराम प्रजापति, राज्य मंत्री (माटी कला बोर्ड, उत्तराखंड) एवं भरत भूषण, अध्यक्ष (रुड़की स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज़) ने भी सहभागिता की और एमएसएमई को बीआईएस प्रमाणन से होने वाले लाभों पर प्रकाश डाला।

बीआईएस देहरादून के निदेशक एवं प्रमुख सौरभ तिवारी ने सभी अतिथियों के स्वागत संबोधन करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया कि दंत चिकित्सा उपकरणों में मानकों का अनुपालन रोगी–सुरक्षा, जैव–संगतता और वैश्विक गुणवत्ता सुनिश्चित करता है।

इसके अतिरिक्त उन्होंने जीवन रक्षक उपकरण,उन्नत निदान उपकरण,सहायक प्रौद्योगिकी के बारे में भी चर्चा की और सरल, डिजिटल और उद्योग–अनुकूल प्रमाणन प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी।

कार्यक्रम में 60 से अधिक दंत उपकरण निर्माता, आपूर्तिकर्ता, एवं शैक्षणिक/सरकारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने बीआईएस विशेषज्ञों से प्रत्यक्ष संवाद कर तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त किया।

केशवपुरी बस्ती में जर्जर सड़क और नाली से क्षेत्रवासी परेशान

ऋषिकेश। 15 वर्ष पूर्व केशवपुरी में बनी सड़क जर्जर स्थिति में है, जिससे क्षेत्रवासी परेशान हैं। लगातार शिकायतों के बावजूद भी स्थित जस की तस बनी हुई है। केशवपुरी–राजीव नगर वार्ड नंबर 11 में लगभग 70 मीटर सड़क ग्राम पंचायत के समय में 15 साल पहले बनी थी। स्थानीय निवासी कई बार सड़क और नाली बनवाने की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन स्थिति जस की तक बनी हुई है। स्थानीय निवासी गुलाब चंद ने बताया कि सड़क नहीं बनने से बरसात के दिनों में पानी भर जाता है, जिससे समस्या से दो–चार होना पड़ता है क जनप्रतिनिधियों द्वारा आश्वासन भी दिया गया, लेकिन सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। स्थानीय निवासी शांति देवी ने बताया कि इस सड़क को देखने के लिए विधायक, सांसद और पालिका अध्यक्ष आते हैं और आश्वासन भी देते हैं।

गुरुवार को चार घंटे बंद रहेगा बदरीनाथ हाईवे

ऋषिकेश।ऋषिकेश–बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार को चार घंटे वाहनों की आवाजाही नहीं होगी। सुबह 5 से 9 बजे तक चार घंटे मार्ग बंद रहेगा। इस दौरान तोताघाटी के पास संकरे मार्ग को चौड़ा करने के साथ पहाड़ से बोल्डर हटाने का काम किया जाएगा। गुरुवार तड़के चार बजे से पुलिस भद्रकाली से रूट डायवर्ट करेगी। वाहनों को नरेन्द्रनगर–खाड़ी होकर देवप्रयाग से श्रीनगर भेजा जाएगा। यात्रियों की सुरक्षा को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार को संकरे मार्ग को चौड़ा करने के साथ पहाड़ से बोल्डर हटाने का काम होगा। इसलिये सुबह 5 से 9 बजे तक मार्ग बंद रहेगा।

बीते कुछ दिनों से पहाड़ में लगातार बारिश हो रही है, जिससे पहाड़ी से बोल्डर गिरने का खतरा बना हुआ है। टिहरी प्रशासन ने तोताघाटी के पास संकरे मार्ग को चौड़ा करने के साथ पहाड़ी से बोल्डर हटाने का निर्णय लिया है। इसके लिये एसआरएम कान्ट्रैक्टर एमटी कंपनी बोल्डर हटाने के साथ मलबा हटाएगी। तोताघाटी के पास हाईवे के दोनों छोरों से मशीनें काम करेंगी। ज्ञात हो कि इन दिनों पहाड़ में लगातार बारिश के चलते पहाड़ी से बोल्डर गिरने के साथ मलबा सड़क पर गिर रहा है, जिसके चलते कई स्थान पर मार्ग संकरा हो गया है। जिससे वाहनों का जाम भी लग रहा है। एसएसपी टिहरी ने मुनिकीरेती,देवप्रयाग एवं नरेन्द्रनगर पुलिस को रूट डायवर्ट के आदेश भी कर दिये है।

आपातकाल के खिलाफ रंगकर्मी– लेखकों ने की आवाज बुलंद

देहरादून। आपातकाल में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर खतरा मानते हुए कवियों ने भी आवाज बुलंद की थी। महाकवि रामधारी सिह दिनकर ने ऐसे समय में लिखा था कि सिंहासन खाली करो कि जनता आती है..। दून में भी संस्कृति कर्मी, लेखक, कवि एकजुट हो गए। जनकवि डॉ.अतुल शर्मा के आवास पर गुप्त बैठकें होती थी। जनकवि डॉ.अतुल शर्मा ने बताया कि, बाबा नागार्जुन, कवि गोपाल दास नीरज ने तो लिखा था कि, लाठी जो जयप्रकाश पे पड़ी, वो कालिख बनके देश के माथे पे लगी है..। स्वतंत्रता सेनानी एवं राष्ट्रीय कवि श्रीराम शर्मा प्रेम की कविता, उठो उठो उल्टी धारा को मोड़ो.., धर्मवीर भारती की मुनादी धर्मयुग में छपी। दुष्यंत कुमार की रचना ने संदेश दिया, यहां दरख्तों के साये में धूप लगती है..आदि। देश भर के रंगकर्मी, संस्कृति कर्मी एक जुट थे। बहरहाल ये डरावना दौर था। लोकनायक जयप्रकाश नारायण सहित न जाने कितने लोग गिरफ्तार किये गये। दून में वेद उनियाल ने एक लेख लिखा। जिसके अनुसार, सर्वोदय जेपी समर्थकों की गुप्त बैठकें जनकवि डॉ. अतुल शर्मा के घर होती थी। जिसमें जयप्रकाश नारायण के साथी कवि श्रीराम शर्मा प्रेम भी जेपी की तरह उपस्थित रहते। रमा शर्मा, रेखा शर्मा, रंजना शर्मा, रीता शर्मा, सुशीला डोभाल, राजेन्द्र प्रसाद डोभाल, अवध बिहारी पंत, रंजना डोभाल, विरेंद्र पैन्यूली सहित दून बहुत लोग दिल्ली में आयोजित जनता मार्च में शामिल हुए। प्रभाकर उनियाल तरुण विजय, विजय स्नेही, हरजस दुग्गल भी इस सूची में शामिल थे।

जनकवि अतुल शर्मा ने बताया कि उनकी एक रचना एक पत्रिका में छपी थी। जिस घर में चूल्हा नहीं जलता, वहां मशाल जलती है..। पचास साल बाद 25 जून 1975 की यह याद आज भी जीवित है।

कोरोनेशन जिला अस्पताल में ऑटोमेटेड पार्किंग शुरू

देहरादून। कोरोनेशन जिला अस्पताल में ऑटोमेटेड पार्किंग शुरू हो गई है। यहां पार्किंग की परेशानी से अब काफी हद तक राहत मिलेगी। अस्पताल के डॉक्टर्स, नर्स और स्टॉफ के लिए ऑटोमेटेड पार्किंग शुरू कर दी गई है। इसके लिए दो तकनीशियन भी तैनात कर दिए गए हैं। स्टॉफ के वाहनों के लिए पार्किंग का स्थान मिलने से यहां आम लोगों को वाहनों खड़े करने के लिए अतिरिक्त स्थान मिल पाएगा। जिलाधिकारी सविन बंसल ने शहर में पार्किंग की समस्या के हल के लिए कई स्थानों पर ऑटोमेटेड पार्किंग की व्यवस्था करवाई है। इसमें कोरोनेशन अस्पताल भी शामिल है, जहां इसे विधिवत संचालित किया जाने लगा है। कोरोनेशन अस्पताल के अलावा परेड ग्राउंड और तिब्बती मार्केट में भी ऑटोमेटेड पार्किंग तैयार की गई है। इसका भी ट्रायल हो चुका है और जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इसका विधिवत शुभारंभ करेंगे। जिलाधिकारी सविन बंसल ने बताया कि तीनों स्थानों पर ऑटोमेटेड पार्किंग शुरू होने पर 244 वाहनों को पार्क करने की व्यवस्था हो जाएगी। साथ ही वाहन पार्किंग के लिए अतिरिक्त जगह भी मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि दून में पार्किंग की समस्या के हल के लिए ऑटोमेटेड पार्किंग काफी उपयोगी होगी, क्योंकि इसे काफी कम जगह पर बनाया जा सकता है, साथ ही जरूरत पड़ने पर इसे दूसरे स्थान भी शिफ्ट किया जा सकता है।

पंचायतीराज को स्वच्छ भारत मिशन का जिम्मा देने का विरोध

देहरादून। पंचायतीराज विभाग को स्वच्छ भारत मिशन की जिम्मेदारी देने के कैबिनेट के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। स्वजल कर्मचारी संघ ने इस फैसले को कर्मचारी विरोध फैसला करार दिया। सरकार से तत्काल इस फैसले को वापस लेने की मांग की। कर्मचारी संघ के महामंत्री अरविंद पयाल ने कहा कि ढाई दशक से भी अधिक समय से स्वजल कर्मचारी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। राजीव गांधी पेयजल कार्यक्रम, स्वैप प्रोग्राम से लेकर जल जीवन मिशन कार्यक्रम में लगातार कर्मचारी साल दर साल अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं। पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ ही हर घर शौचालय योजना का सफल क्रियान्वयन कराया। राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड की पहचान बनाई। इसके बावजूद स्वजल कर्मचारियों के भविष्य पर संकट खड़ा कर दिया गया है। कहा कि स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम की जिम्मेदारी पंचायतीराज विभाग को मिलते ही स्वजल कर्मचारियों के पास कोई काम नही रहेगा। पहले भी मई 2024 से एक साल से स्वजल कर्मचारी बिना वेतन के काम कर रहे हैं। सरकार ने स्वजल कर्मचारियों को 31 मई 2026 तक सेवा विस्तार दिया है,

कांग्रेस ने पंचायत चुनाव की आशंकाओं को आयोग के सामने रखा

देहरादून। कांग्रेस ने पंचायत चुनाव को लेकर अपनी आशंकाओं को राज्य निर्वाचन आयुक्त के सम्मुख रखा। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ी की बात उठाई। साथ ही पंचायत चुनाव को लेकर बनी असमंजस की स्थिति को दूर करने की मांग की। साथ ही मतदान और मतगणना प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग रखी। महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा की अगुवाई में कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को देहरादून में राज्य निर्वाचन आयुक्त से मुलाकात की। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि इस साल जनवरी में निकाय चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि उस दौरान वोटर लिस्ट में तमाम गड़बड़ियां सामने आई थी। ऐसी ही स्थिति पंचायत चुनाव में भी सामने आ सकती है। क्योंकि बड़ी संख्या में ग्रामीण वोटरों के नाम पंचायत की मतदाता सूची में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल अप्रैल में हुए लोकसभा चुनावों में उत्तराखंड में 84 लाख से अधिक पंजीकृत मतदाता थे, जबकि शहरी निकाय और अब पंचायत चुनावों में कुल मतदाता संख्या लगभग 78 लाख के आसपास ही सीमित रह गई है। उन्होंने मतदाताओं की कम संख्या को भी वोटर लिस्ट से नाम गायब होने से जोड़ा है। आयुक्त को ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व विधायक राजकुमार, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री गोदावरी थापली, विरेंद्र पोखरियाल, संजय किशोर, महिपाल शाह, नीनू सहगल, प्रवीन त्यागी, मोहित नेगी, अश्वनी बहुगुणा, विनीत डोभाल, सुमित नेगी, शम्मी प्रकाश, अशद खान, अभिषेक उनियाल, राजीव ठाकुर समेत अन्य मौजूद रहे। दोनों सूचियों के नाम पर आपत्ति पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि कई क्षेत्रों में यह भी देखने में आया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे मतदाताओं का नाम भी वोटर लिस्ट में शामिल हैं जो नगर निकाय चुनाव में अपने मतदान का प्रयोग कर चुके हैं। उन्होंने ऐसे मतदाताओं के नाम पंचायत से हटाने की मांग भी रखी। जटिल प्रक्रिया को लेकर उठाए सवाल कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी विरेन्द्र पोखरियाल ने निर्वाचन आयुक्त के सामने नगर निकाय चुनाव का हवाला दिया और कहा कि निकाय चुनाव में कई स्थानों पर पोलिंग एजेंट को कमरे से बाहर बैठाया गया था।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com